मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com इंदौर, गुरुवार, 09 मई 2024 नगर संस्करण, वर्ष: 04, अंक: 257, पृष्ठ : 08, मूल्य: 5.00 रुपए

काली-गोरी चमड़ी का मुद्दा: सैम पित्रोदा के बयान से मचा बवाल, कांग्रेस ने किया किनारा, बीजेपी बोली- असलियत आई सामने, बाद में सैम का इस्तीफा कांग्रेस ने तुरंत किया मंजूर

'जुबान की बीमारी' अच्छी नहीं होती अंकल सैम!

इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नस्लवादी टिप्पणी करने के बाद से वे विपक्ष के निशाने पर थे। कांग्रेस पार्टी ने भी उनके बयान से किनारा कर लिया था। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि पार्टी नेतृत्व ने पित्रोदा के इस्तीफे को स्वीकार कर लिया है। दरअसल लोकसभा चुनाव के दौरान और अन्य संवेदनशील मुद्दों पर सैम पित्रोदा विवादित बयान देने से नहीं चूके हैं। उनके बयानों को चलते कांग्रेस को काफी नुकसान उठाना पड़ा है।

नई दिल्ली। सैम पित्रोदा ने बुधवार को ओवरसीज कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। यह कदम उन्होंने ऐसे समय में उठाया, जबकि उनकी एक टिप्पणी को लेकर देशभर में विवाद खड़ा हो गया। सैम ने कहा था कि पूर्व के लोग चीनी और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी नागरिकों जैसे दिखते हैं। कांग्रेस ने हालांकि पित्रोदा की टिप्पणियों से खुद को अलग करते हुए इसे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य बताया। पार्टी ने कहा कि वह इन टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है। दूसरी ओर भाजपा ने पित्रोदा की नस्ली टिप्पणियों को लेकर उन पर निशाना साधा और दावा किया कि इससे विपक्षी दल की विभाजनकारी राजनीति बेनकाब हो गई है।

दरअसल इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के प्रमुख पित्रोदा ने एक पॉडकास्ट में कहा था कि हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह सकते हैं। पित्रोदा ने सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित इस साक्षात्कार में कहा, हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एकजुट रख सकते हैं। जहां पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर के लोग गोरे और दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। उन्होंने कहा, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सभी बहन-भाई हैं। भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा अलग-अलग हैं, लेकिन भारत के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता सैम पित्रोदा का बयान, अब एक बार फिर से पार्टी के गले की फांस बन गया है।

बीजेपी दक्षिण भारत में बना सकती है मुद्दा

सैम पित्रोदा के इस बयान को भाजपा दक्षिण भारत में बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारंगल की जनसभा में इस मुद्दे को उठाकर इसका संकेत भी दे दिया है। यदि भाजपा इसे मुद्दा बनाने में सफल रही, तो अगले चरण में आंध्र प्रदेश (25 लोकसभा सीटें) और तेलंगाना (17 लोकसभा सीटें) में उसे इसका लाभ मिल सकता है। कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा ने कहा है कि दक्षिण भारत के लोग काले रंग के होते हैं और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के जैसे दिखते हैं।

मोदी बोले- शहजादे के एक अंकल ने गाली दी है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पित्रोदा के बयान को चमड़ी के रंग और नस्लीय टिप्पणी से जोड़ दिया है। प्रधानमंत्री ने पित्रोदा के बयान को लेकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी को घेरा है। बुधवार को तेलंगाना के करीमनगर में आयोजित एक जनसभा में मोदी ने कहा, कांग्रेस के लोग मैग्नीफाइंग ग्लास लेकर अपनी सीटें खोज रहे हैं। आज मैं बहुत गुस्से में हूं। राहुल पर निशाना साधते हुए मोदी ने कहा, शहजादे के एक अंकल ने आज ऐसी गाली दी है, जिसने मुझे गुस्से में भर दिया है। संविधान सिर पर रखने वाले लोग, देश की चमड़ी का अपमान कर रहे हैं। जिनकी चमड़ी का रंग काला होता है, क्या ये सब अफ्रीका के हैं। मेरे देश के लोगों को चमड़ी के रंग के आधार पर इन्होंने गाली दी है। अरे चमड़ी का रंग कोई भी हो, हम तो श्रीकृष्ण की पूजा करने वाले लोग हैं। शहजादे आपको जवाब देना होगा। चमड़ी के रंग के आधार पर मेरे देशवासियों का यह अपमान, देश सहन नहीं करेगा।

विरासत टैक्स पर भी दिया था बयान

पित्रोदा ने पिछले दिनों कहा था, अमेरिका में विरासत कर (टैक्स) लगता है। किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है। अगर वो व्यक्ति मर जाता है, तो उसमें से केवल 45 फीसदी संपत्ति ही उसके बच्चों को ट्रांसफर होगी। बाकी राज्य के पास चली जाएगी। इस बयान पर भाजपा ने कांग्रेस पार्टी को घेरा था। जब यह मामला तूल पकड़ने लगा तो सैम पित्रोदा ने एक्स पर सफाई दी। उन्होंने लिखा, मैंने टीवी पर अपनी सामान्य बातचीत में केवल एक उदाहरण के तौर पर अमेरिका में अमेरिकी विरासत टैक्स का उल्लेख किया था। मैंने कहा कि ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को चर्चा और बहस करनी होगी। इसका कांग्रेस समेत किसी भी पार्टी की नीति से कोई लेना-देना नहीं है।

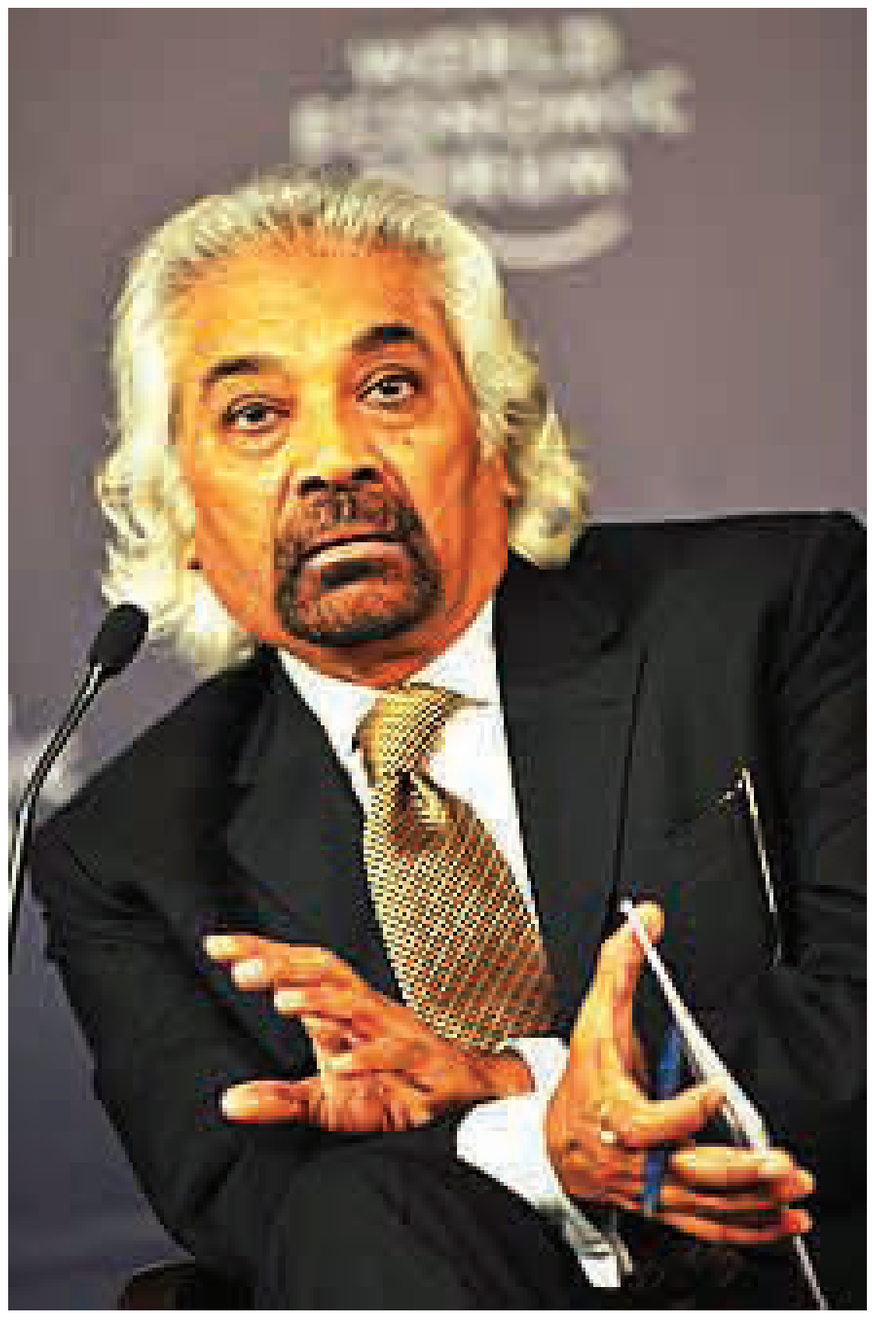

पित्रोदा की टिप्पणी से कांग्रेस ने खुद को किया अलग

पित्रोदा की टिप्पणी से खुद को अलग करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर कहा, सैम पित्रोदा द्वारा भारत की विविधताओं को जो उपमाएं दी गई हैं, वह अत्यंत गलत और अस्वीकार्य हैं। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इन उपमाओं से अपने आप को पूर्ण रूप से अलग करती है। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट करते हुए जानकारी दी की सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इस पद से इस्तीफा दिया है। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा, सैम पित्रोदा ने अपनी मर्जी से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने का फैसला किया है. कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

ये भी हैं सैम के विवादित बयान

1. चर्चित रहा था पित्रोदा का बयान 'हुआ तो हुआ': ऐसा नहीं है कि लोकसभा चुनाव में पहली बार पित्रोदा के बोल बिगड़े हैं। इससे पहले भी उनके बिगड़े बोल ने कांग्रेस पार्टी की चुनावी राह को मुश्किल बनाया है। 2019 के लोकसभा चुनाव के बीच, हरियाणा और पंजाब में वोट पड़ने थे, लेकिन उससे पहले सैम पित्रोदा ने एक ऐसा बयान दे दिया था, जिसे लेकर भाजपा ने कांग्रेस पर खूब हमला किया। पित्रोदा ने चुनाव के बीच कहा था कि अब क्या है 1984 का। आपने (नरेंद्र मोदी) पांच साल में क्या किया, अब उसकी बात करिए। 1984 में जो हुआ, वो हुआ। पित्रोदा ने यहां पर 1984 के दंगों को लेकर बयान दिया था। भाजपा में पीएम मोदी से लेकर निचले स्तर तक के कार्यकर्ता ने उस बयान को हुआ तो हुआ नाम से लोगों के बीच पहुंचाया था।

2. मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए: पित्रोदा ने 6 अप्रैल 2019 को कहा था कि मिडिल क्लास को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए। उन्हें ज्यादा टैक्स देने के लिए कमर कस लेना चाहिए। इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी सकते में आ गई। पार्टी को सफाई देनी पड़ी कि अगर कांग्रेस सत्ता में आती है तो वो मिडिल क्लास लोगों पर कोई अतिरिक्त टैक्स का बोझ नहीं डालेगी।

3. बालाकोट एयरस्ट्राइक पर सवाल: पुलवामा में आतंकी हमले के जवाब में भारत ने पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इस पर सवाल उठाते हुए 22 मार्च 2019 को पित्रोदा ने कहा था कि ऐसे हमले होते रहते हैं। कुछ आतंकियों ने हमला किया, इसकी सजा पूरे पाकिस्तान को क्यों दी जा रही है? पित्रोदा ने कहा था कि मुंबई में भी हमला हुआ था और हमारी सरकार भी जवाब दे सकती थी। हम भी अपने विमान भेज सकते थे, लेकिन यह दृष्टिकोण सही नहीं है। उन्होंने कहा कि यह गलत है कि कुछ लोगों की गलती के चलते हम पाकिस्तान के हर नागरिक को दोषी ठहराएं।

4. मंदिर से रोजगार नहीं मिलेगा: 6 जून 2018 को राम मंदिर पर पित्रोदा ने कहा था कि भारत में बेरोजगारी, महंगाई और शिक्षा जैसी समस्याओं के बारे में कोई बात ही नहीं करता। हर कोई राम, हनुमान और मंदिर की बात करते हैं। मंदिर बनाने से आपको रोजगार नहीं मिलेगा।

फिर महंगी हुई शाकाहारी थाली, चिकन की कीमत गिरने से नॉन वेज सस्ता

मुंबई। प्याज और टमाटर की बढ़ती कीमतों के चलते अप्रैल में शाकाहारी थाली आठ प्रतिशत महंगी हो गई। क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिसिस की मासिक रोटी-चावल दर रिपोर्ट के अनुसार, ब्रायलर की कीमत में गिरावट ने मांसाहारी भोजन की लागत में कमी लाने में योगदान दिया है। शाकाहारी थाली (इसमें रोटी, सब्जियां (प्याज, टमाटर और आलू), चावल, दाल, दही और सलाद शामिल है) की अप्रैल में कीमत बढ़कर 27.40 रुपये प्रति प्लेट हो गई जबकि पिछले साल की समान अवधि में इस थाली की कीमत 25.4 रुपये थी। महीने-दर-महीने से तुलना करें तो मार्च, 2024 में शाकाहारी थाली की कीमत 27.30 रुपये रुपये थी। शाकाहारी थाली की कीमत में कुल बढ़ोतरी के लिए प्याज में 41 प्रतिशत, टमाटर में 40 प्रतिशत, आलू में 38 प्रतिशत, चावल में 14 प्रतिशत और दालों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी को प्रमुख वजह माना गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि जीरा, मिर्च, और वनस्पति तेल की कीमतों में क्रमशः 40 प्रतिशत, 31 प्रतिशत और 10 प्रतिशत की गिरावट आई, जिससे थाली की कुल लागत में और बढ़ोतरी नहीं हुई। मांसाहारी थाली की कीमत अप्रैल में घटकर 56.3 रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 58.9 रुपये थी। हालांकि मार्च की तुलना में अप्रैल में मांसाहारी थाली की कीमत ज्यादा है। मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत 54.9 रुपये थी। बता दें कि मांसाहारी थाली में शाकाहारी थाली की तरह सभी चीजें शामिल होती हैं, लेकिन इसमें दाल की जगह चिकन होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्रायलर की कीमत में 12 प्रतिशत की गिरावट के चलते मांसाहारी थाली सस्ती हुई है। मांसाहारी थाली के कुल मूल्य में 50 प्रतिशत भार चिकन का होता है। मार्च की तुलना में ब्रायलर की कीमत में चार प्रतिशत की वृद्धि के चलते मांसाहारी थाली की कीमत में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई।

भारतीय संस्कृति के लिए लिव-इन रिलेशनशिप एक कलंक

बिलासपुर। लिव-इन रिलेशनशिप पाश्चात्य सभ्यता है और भारतीय सिद्धांतों की अपेक्षाओं के विपरीत है। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने बच्चे की कस्टडी से जुड़े हुए एक मामले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। साथ ही कोर्ट ने लिव-इन रिलेशनशिप को एक कलंक बताया है। न्यायमूर्ति गौतम भादुड़ी और न्यायमूर्ति संजय एस अग्रवाल की खंडपीठ ने कहा कि समाज के कुछ संप्रदायों में अपनाया जाने वाला लिव-इन रिलेशनशिप अभी भी भारतीय संस्कृति में एक कलंक है, क्योंकि यह भारतीय सिद्धांत की अपेक्षाओं के विपरीत एक पाश्चात्य सभ्यता है।

खंडपीठ ने 36 वर्षीय महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में पैदा हुए बच्चे की कस्टडी की मांग करने वाले याचिकाकर्ता की अपील को खारिज कर दिया। दंतेवाड़ा जिले के अब्दुल हमीद सिद्दीकी ने अपनी याचिका में कहा कि वह एक अलग धर्म की महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में था और उसने एक बच्चे को जन्म दिया। याचिकाकर्ता ने कहा, पिछले साल दिसंबर में दंतेवाड़ा की एक अदालत ने बच्चे की कस्टडी से जुड़ी उनकी याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद उन्होंने बिलासपुर जिले में स्थित हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हाईकोर्ट के आदेशानुसार, अब्दुल हमीद सिद्दीकी ने अपनी याचिका में कहा कि वह 2021 में मतांतरण के बिना शादी से पहले तीन साल तक महिला के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में था। बकौल याचिका, 31 अगस्त, 2021 को उनके रिश्ते से एक बच्चे का जन्म हुआ और 10 अगस्त, 2023 को महिला और बच्चा गायब हो गए।

देश में बड़ी कॉन्ट्रैक्ट किलिंग करना चाहता था गोल्डी बराड़

नई दिल्ली। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ पर दिल्ली पुलिस का शिकंजा कसता जा रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गोल्डी बराड़ गैंग के 10 शार्प शूटर्स को गिरफ्तार किया है, जिसमें एक नाबालिग भी शामिल है। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने पूरे भारत में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और गैंगस्टर गोल्डी बराड़ के खिलाफ ऑपरेशन चलाया है, जिसके अंतर्गत 7 राज्यों से 10 शार्प शूटर्स को गिरफ्तार किया गया। इनको दिल्ली, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार, पंजाब, हरियाणा और

राजस्थान से हिरासत में लिया गया। पूरे देश में चले ऑपरेशन के दौरान दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 7 पिस्टल और 31 कारतूस भी बरामद किए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गोल्डी बराड़ से कुछ शूटर्स लगातार संपर्क में थे और यह गैंगस्टर देश में कुछ बड़ी कांट्रैक्ट किलिंग करवाना चाह रहा था। पुलिस के मुताबिक सभी शूटर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाट्सएप और दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिये एक-दूसरे के साथ संपर्क में थे। उन्होंने बताया कि कुछ शूटर्स गोल्डी बराड़ से वर्चुअल नंबरों से बात कर रहे थे। इन शूटरों की गिरफ्तारी से दिल्ली और कुछ दूसरे राज्यों में होने वाली कॉन्ट्रैक्ट किलिंग को पुलिस ने समय रहते रोकने का दावा किया है। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ कनाडा में रहता है और वहीं से अपने गुर्गों के जरिये देश में आपराधिक कारनामों को अंजाम देता है।

देश की आबादी में 6 पर्सेंट घट गए हिंदू, मुस्लिमों की बढ़ी संख्या

नई दिल्ली। पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत में 1950 से 2015 तक 65 सालों के अंतराल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस अवधि में देश की आबादी में हिंदुओं की हिस्सेदारी में 6 पर्सेंट की गिरावट आ गई। यही नहीं पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे दूसरे देशों की तुलना करें तो वहां बहुसंख्यक मुस्लिमों की आबादी में हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। स्टडी के अनुसार एक तरफ भारत में हिंदुओं की हिस्सेदारी घट गई है तो वहीं अल्पसंख्यक मुस्लिमों, ईसाई, बौद्ध और सिखों की आबादी में इजाफा हुआ। वहीं हिंदुओं के अलावा जैन और पारसियों की भी आबादी में हिस्सेदारी इस अवधि में घटी है।

मुस्लिमों की आबादी 5 फीसदी बढ़ी

स्टडी के अनुसार इस अवधि में आबादी में मुस्लिमों की हिस्सेदारी 5 फीसदी बढ़ी है। इसके अलावा ईसाइयों की हिस्सेदारी में 5.38 पर्सेंट, सिखों की 6.58 पर्सेंट बढ़ी है। यही नहीं बौद्धों की हिस्सेदारी भी बढ़ गई है। रिपोर्ट के अनुसार 1950 में भारत की जनसंख्या में हिंदुओं की हिस्सेदारी 84 फीसदी थी। अब देश की जनसंख्या में हिंदू 78 फीसदी हैं। मुसलमान 65 साल पहले भारत की आबादी के 9.84 फीसदी थे, जो अब बढ़कर 14.09 पर्सेंट हो गए हैं। म्यांमार के बाद भारत अपने आसपास के देशों में दूसरे नंबर पर है, जिसके बहुसंख्यक समाज की आबादी में कमी आई है।

नेपाल में भी कम हुई हिंदुओं की आबादी

म्यांमार में इस अवधि में बहुसंख्यक बौद्ध समुदाय की आबादी में हिस्सेदारी 10 फीसदी तक कम हुई है। वहीं भारत में हिंदुओं की आबादी में हिस्सेदारी 7.8 पर्सेंट घट गई है। भारत और म्यांमार के अलावा नेपाल की भी ऐसी ही स्थिति है। नेपाल में बहुसंख्यक हिंदुओं की आबादी में हिस्सेदारी 3.6 फीसदी कम हो गई है। पीएम की आर्थिक सलाहकार समिति ने अपनी रिपोर्ट में कुल 167 देशों का अध्ययन किया है। स्टडी में कहा गया है कि दुनिया के ट्रेंड को देखते हुए भारत में एक स्थिरता पाई गई है। स्टडी का कहना है कि भारत में अल्पसंख्यकों को न सिर्फ संरक्षण प्राप्त है बल्कि उनकी जनसंख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

पीएम के मन में एमपी, इंदौर को बताया उम्मीदों का शहर

इंदौर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मप्र की व्यवसायिक राजधानी इंदौर को उम्मीदों का शहर बताया है। इंदौर लोकसभा के सांसद और बीजेपी प्रत्याशी शंकर लालवानी को लिखे इस पत्र में उन्होंने इंदौर और यहां के लोगों की खासियतों का उल्लेख किया है। पीएम मोदी ने पत्र की शुरुआत करते हुए लिखा है कि मेरे साथी कार्यकर्ता शंकर लालवानीजी, यह पत्र लिखते हुए आशा करता हूं कि आप कुशल मंगल होंगे। इंदौर एक जागरूक चेतना वाला शहर है। यहां लोगों ने सामूहिक प्रयासों से बड़े से बड़े लक्ष्यों को सफलतापूर्वक

हासिल किया है। स्वच्छता समेत कई विषयों में इंदौर आज शीर्ष स्थान पर है। जनहित से जुड़ी विभिन्न योजनाओं को बेहतर रूप से अमल करवाते हुए आपने क्षेत्र के लोगों के जीवन को सहज और सुविधाजनक बनाने का जो काम किया है, वह सराहनीय है। आपके अथक प्रयासों से उम्मीदों का शहर इंदौर आज प्रदेश और पूरे देश में विकास का एक मॉडल बनकर उभरा है। मुझे विश्वास है कि संसद में आप जनता जनार्दन का भरपूर आशीर्वाद लेकर आएंगे और नई सरकार में हम सब एक साथ मिलकर देशवासियों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। आप जैसे ऊर्जावान साथी मुझे संसद में मजबूती प्रदान करेंगे। पिछले एक दशक के दौरान हमने समाज के हर वर्ग के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाते हुए कांग्रेस पार्टी के दशकों लंबे कुशासन के कारण पैदा हुई समस्याओं से देश को मुक्त कराया है। अब, हर नागरिक की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए देश एक नई गति से आगे बढ़ने को तैयार है। चुनाव के अब तक के उत्साहजनक रुझान बताते हैं कि भारत की जनता इस चुनाव में हमारे विकासोन्मुख विजन को समर्थन देने का मन बनाकर आगे बढ़ रही है। दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी और इंडी अलायंस समाज के सभी वर्गों द्वारा खारिज किए जा रहे हैं।

गरीब, किसान और महिलाएं भी कांग्रेस द्वारा दशकों तक किए गए अपमान के लंबे और निराशाजनक ट्रैक रिकार्ड के कारण उन्हें अस्वीकार कर रहे हैं। कांग्रेस के शासन काल में एससी, एसटी, ओबीसी समुदायों को भी उपेक्षा, अपमान और अन्याय का सामना करना पड़ा।

हमारी पार्टी में बड़ी संख्या में इन्हीं समुदायों से चुने हुए प्रतिनिधि हैं। पिछले 10 वर्षों के दौरान गरीब, किसान, महिलाएं और एससी, एसटी, ओबीसी समुदाय के लोग अंततः बेहतर जीवन की अपनी आकांक्षाओं को पूरा होते हुए देख रहे हैं। वे सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से उत्साहित महसूस कर रहे हैं।

हताशा के कारण कांग्रेस और इंडी अलायंस तुष्टिकरण की राजनीति में खतरनाक स्तर तक बढ़ रहे हैं, लेकिन अल्पसंख्यकों के बीच उनके लिए कोई आकर्षण नहीं है। ये समुदाय समझ चुके हैं कि केवल भाजपा सरकार में ही उनकी स्थिति पहले से बेहतर हुई है।

भाजपा की महिला पार्षद ने निकलवाए कांग्रेस के पोस्टर

इंदौर। इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी अक्षय कांति बम के नामांकन वापस लेने और भाजपा में शामिल होने के बाद बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस का अब यहां पर कोई भी प्रत्याशी नहीं है और कांग्रेस लोगों से नोटा पर वोट देने की अपील कर रही है। कांग्रेस की इस मुहिम से अब भाजपा नेता परेशान दिखने लगे हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की विधानसभा एक के वार्ड छह से पार्षद संध्या यादव का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में पार्षद संध्या ऑटो रिक्शा के पीछे लगे नोटा अभियान के पोस्टर को हटाती हुई दिख रही हैं। बुधवार को कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने यह वीडियो ट्वीट किया है। कांग्रेस ने इसे तानाशाही बताया है। वहीं पार्षद का कहना है कि एक जागरूक नागरिक के तौर पर उन्होंने यह पोस्टर हटाया। जनता कांग्रेस को 13 मई को जवाब देगी। वहीं मामले में कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा ने कहा कि ये तानाशाही है। इस तरह से भाजपा के द्वारा लोगों को डराया जा रहा है। लोग खुलकर नोटा को सपोर्ट

कर रहे हैं।

पार्षद ने कहा 50 रुपए देकर कांग्रेस ने लगवाया पोस्टर: वीडियो में पार्षद यादव ऑटो चालक से कह रही हैं कि मोदीजी को वोट नहीं दोगे। ये नोटा क्या है। पार्षद के साथ मौजूद व्यक्ति ने भी कहा कि मोदीजी ने इतना कुछ किया है। दूसरे ऑटो रिक्शा में भी यदि पोस्टर लगे हों तो उसे भी हटा दें। वीडियो इंदौर में एरोड्रम थाने के सामने का है। संध्या यादव ने कहा कि एक जागरूक नागरिक के तौर पर उन्होंने ऑटो रिक्शा से पोस्टर हटाया। रिक्शा चालक से जब पूछा तो उसे पता ही नहीं था कि नोटा क्या है। उसे कांग्रेसियों ने 50 रुपए दिए थे और कहा था कि थोड़ी देर पोस्टर लगे रहने देना। बाद में हटा देना। नोटा कोई उम्मीदवार तो नहीं है। जिस प्रकार स्वच्छता में इंदौर नंबर वन आया है, उसी तरह मतदान में भी नंबर वन आएगा। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है। पार्षद संध्या ने कहा कि अक्षय बम ने भाजपा की विचारधारा से प्रभावित होकर पार्टी जॉइन की है। अक्षय बम के भाजपा में आने पर ताई के विरोध को लेकर पार्षद यादव ने कहा कि ताई हमारी वरिष्ठ नेता हैं, उनके बारे में मुझे कुछ भी नहीं कहना है।

हनी ट्रैप मामले में हरभजनसिंह द्वारा दर्ज केस में 25 मई को आरोप होंगे तय

इंदौर। मध्यप्रदेश की राजनीति में भूचाल लाने वाला हनी ट्रैप केस में अब निगाहें 25 मई पर टिक गई हैं। लंबी बहस के बाद मानव तस्करी का यह केस भी समाप्त हो गया है। हनी ट्रैप कांड मामले में भोपाल कोर्ट के फैसले से हंगामा मच गया है। वहीं अब इंदौर में विशेष न्यायाधीश की अदालत में चल रहे मामले पर सभी की निगाहें टिक गई हैं, जिसमें 25 मई 2024 को अपराध तय होंगे। दरअसल अब सबकी निगाह नगर निगम के सिटी इंजीनियर द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे पर है, जिसमें कोर्ट ने 25 मई की तारीख लगा रखी है। उसमें आरोप तय होंगे कि किसने क्या-क्या अपराध किया है? उसके बाद केस चलेगा, जिसमें गवाह होंगे।

शासन के पास हैं सबूत

शासन के पास तथ्य और सबूत हैं, जिन्हें पेश किया जाएगा। कुछ तो पहले वायरल भी हो चुके हैं। प्रकरण में आरोपियों के ड्राइवर अभिषेक ठाकुर और ओम प्रकाश कोरी भी हैं, जिन्होंने आरोपियों के नकली आइडी कार्ड तैयार किए थे। उनके आधार पर आरोपी होटलों में नाम बदलकर रहती थीं।

5 साल पहले दर्ज किया था केस

पांच साल पहले नगर निगम के सिटी इंजीनियर हरभजनसिंह ने पलासिया थाने में हनी ट्रैप की एफआइआर दर्ज कराई थी। उसमें कहा था गया कि मोनिका यादव ने वीडियो वायरल करने की धमकी देकर तीन करोड़ रुपए की मांग की थी। मामले में पुलिस ने यादव के अलावा श्वेता विजय जैन, श्वेता स्वप्निल जैन, बरखा भटनागर और आरती दयाल के खिलाफ गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था।उसी दौरान यादव के पिता की रिपोर्ट पर आरोपियों पर मानव तस्करी का केस दर्ज हुआ था, जिसका सोमवार को फैसला आ गया और सभी को बरी कर दिया गया।

अब सबकी निगाहें इंदौर पर

हनी ट्रैप मामले में भोपाल कोर्ट के फैसले के बाद अब सबकी निगाहें इंदौर के हाई प्रोफाइल हनी ट्रैप केस पर टिकी हुई है। हनी ट्रैप का मूल प्रकरण इंदौर में विशेष न्यायाधीश डीपी मिश्रा की अदालत में चल रहा है, जिसकी सुनवाई की तारीख 25 मई है। सरकार की ओर से लोक अभियोजक अभिजीत सिंह राठौर ने बताया, सुनवाई में सभी आरोपियों के आरोप तय होंगे कि किस-किस ने क्या-क्या अपराध किया है?

हरभजन का आरोप, आठ माह से कर रही थी ब्लैकमेल

सिटी इंजीनियर हरभजन सिंह द्वारा दर्ज कराई गई एफआइआर में कई खुलासे किए गए थे। उसके अनुसार, भोपाल की आरती पति पंकज दयाल ने 18 वर्षीय बीएससी छात्रा मोनिका से दोस्ती करवाई। फिर इंदौर के एक होटल में आरती ने मोबाइल से दोनों का वीडियो बनाया। उसके बाद ब्लैकमेल का खेल शुरू हुआ, जो आठ माह चला। इसमें तीन बार वे पैसे दे चुके थे, वहीं 50 लाख रुपए लेने आरती और मोनिका जब इंदौर आई तो उन्हें पकड़ लिया गया।

अवैध संबंधों के कारण एक और हत्या, पुलिया पर लटकी मिली थी लाश

इंदौर। इंदौर में अवैध संबंधों के कारण एक बार फिर हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां पुलिस को एक युवक की लाश निर्माणाधीन पुलिया से फांसी पर लटकी मिली थी जिसकी हत्या की गुत्थी को सुलझाते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी रिश्ते में जीजा-साले हैं, पूछताछ में आरोपी जीजा ने बताया है कि मृतक युवक उसकी शादी को परेशान करता था। शहर के सिमरोल थाना इलाके में बाइपास पर एक निर्माणाधीन पुलिया से युवक की लाश फांसी पर लटकी हुई पुलिस को मिली थी। युवक की शिनाख्त शोभाराम उर्फ शिवम निवासी भीकनगांव खरगोन के रूप में हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला की शुभम की हत्या की गई है। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच की और जब मृतक शुभम की कॉल डिटेल खंगाली तो पुलिस के हाथ कातिलों तक पहुंच गए। कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस ने आशीष केलवा और ओमप्रकाश डाबी नाम के दो युवकों को पकड़कर पूछताछ की तो दोनों ने शुभम की हत्या करना कबूल कर लिया। दोनों आरोपी रिश्ते में जीजा साले हैं। आरोपी जीजा ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि शुभम उसके खेत पर काम करता था और 4 साल से शुभम के उसकी साली से अवैध संबंध थे। लेकिन साली की शादी होने के बाद भी शुभम उसे परेशान कर रहा था जिसके बारे में साली ने उसे बताया था। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने प्लानिंग के तहत शुभम को बहाने से पुलिया पर मिलने बुलाया और फिर उसकी हत्या कर उसके मुंह में शराब डाली और फिर शव को फांसी के फंदे पर लटका दिया था। जिससे सभी को लगे की नशे में शुभम ने आत्महत्या की है।

19 साल की छात्रा से मारपीट, परिचित युवक ने छात्रा की मां को भी पीटा

इंदौर। इंदौर के राऊ में रहने वाली एक 19 साल की स्टूडेंट और उसकी मां से मारपीट का मामला सामने आया है। युवती के ही परिचित युवक ने उसके साथ मारपीट की है। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया है। राऊ पुलिस के मुताबिक समीक्षा गुप्ता निवासी न्यूयार्क सिटी की शिकायत पर यहीं रहने वाले पीयूष ओझा के खिलाफ केस दर्ज किया है। समीक्षा ने अपनी शिकायत में बताया कि वह स्टूडेंट है। न्यूयार्क सिटी में रहने वाले पीयूष को काफी समय से जानती है। कुछ समय पहले पीयूष से अनबन हो गई थी। 7 मई की देर रात समीक्षा जब घर पर थी तो नीचे से तोड़फोड़ की आवाज आ रही थी। गेट खोलकर देखा तो पीयूष नीचे से अपशब्द कह रहा था। ऊपर आकर समीक्षा से मारपीट कर दी। सिर पकड़कर दरवाजे में मार दिया। मां नीना बचाने आई तो पीयूष ने उनके साथ भी मारपीट की। बाद में पीयूष धमकाकर चला गया। पुलिस ने शिकायत के बाद आरोपी पर कार्रवाई की है।

अमरनाथ-चारधाम के लिए जुलाई तक ट्रेनों में सीटें नहीं

इंदौर। अमरनाथ और चारधाम यात्रा के लिए इंदौर से चलने वाली दोनों ट्रेन मालवा एक्सप्रेस और देहरादून एक्सप्रेस तीर्थ यात्रियों से ही फुल हो गई है। 10 मई से शुरू हो रही चारधाम यात्रा में अगले दो महीने के लिए ट्रेन में वेटिंग है। स्लीपर, एसी सभी में सीटें फुल हैं। दूसरी ओर 29 जून से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा में भी जून-जुलाई में ज्यादातर दिन सीटें उपलब्ध नहीं हैं। यात्री अब परेशान हो रहे हैं।

उनका कहना है मुश्किल से रजिस्ट्रेशन मिले। उसमें ही काफी समय लगा। अब रजिस्ट्रेशन हुए तो ट्रेनों में सीटें फुल हो गई हैं। लोग वाया दिल्ली होकर या अन्य स्टेशन से टिकट करवा रहे। इंदौर से अमरनाथ के लिए इस साल 15 से ज्यादा बड़े जत्थे जाएंगे। 13 हजार से ज्यादा यात्री अमरनाथ यात्रा पर अलग अलग तारीख पर जाएंगे। यात्रा से जुड़े मंडलों ने कहा कि उन्होंने रजिस्ट्रेशन होते ही टिकट करवा लिए थे।

हालांकि अब ट्रेनों में टिकट जुलाई के आखिरी सप्ताह से मिल रहे हैं, जो काफी लेट हैं। दूसरी ओर चारधाम यात्रा के लिए फिलहाल मई-जून में सीटें फुल हैं। चारधाम यात्रा पर ले जा रहे अलग अलग यात्रा कंपनियों से जुड़े लोगों ने कहा जून तक की सारी सीटें फुल हो चुकी हैं। गर्मी की छुट्टियों के कारण शुरूआती दिनों में काफी भीड़ है। इंदौर से हर महीने 8-10 हजार लोग यात्रा पर जाते है।

अन्य स्टेशन से टिकट करवा रहे लोग

जिन लोगों को इंदौर से ट्रेन में सीटें नहीं मिल रही, वे परेशान हैं। अमरनाथ यात्रा पर जा रहे जितेंद्रकुमार ने कहा सीटें फुल हैं। ऐसे में इंदौर से दिल्ली और दिल्ली से जम्मू तक की ट्रेन की है। फ्लाइट का किराया बहुत ज्यादा है। यही बात विनीत गुप्ता ने भी कही। उन्होंने कहा 15 लोगों के टिकट वाया करवाए हैं।

फ्लाइट का किराया 11 हजार रुपए तक

इंदौर से जम्मू : अमरनाथ यात्रा के शुरुआती दिनों में साढ़े 7 हजार से 11 हजार रुपए तक किराया। इसके बाद जुलाई में साढ़े 5 हजार से 9 हजार रुपए तक किराया है। इंदौर से देहरादून : साढ़े 4 हजार रुपए से लेकर 6 हजार रुपए तक किराया।

अमरनाथ यात्रा

-29 जून से शुरू होगी यात्रा, 19 अगस्त को समापन
-25 जून से 13 जुलाई तक सीटें फुल। एसी, स्लीपर में वेटिंग।
-14 जुलाई : थर्ड एसी, 2 एसी में आरएसी। फर्स्ट एसी में बर्थ उपलब्ध।
-18 जुलाई : फर्स्ट एसी में उपलब्ध। बाकी सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्लीपर में आरएसी।
-21 से 24 जुलाई : थर्ड एसी, थर्ड एसी इकॉनामी में सीटें उपलब्ध।
अगस्त में ज्यादातर दिन बर्थ उपलब्ध। हालांकि ज्यादातर लोग शुरूआत में ही जाते हैं।

चारधाम यात्रा

- 10 मई से यात्रा की शुरुआत होगी
-मई-जून में देहरादून एक्सप्रेस में सीटें फुल।
-19 जून से ट्रेन में आरएसी
-03 जुलाई से सीटें उपलब्ध।

डीन भर्ती मामले में सरकार ने पेश किया जवाब, कोर्ट ने दिया दो हफ्ते का समय

इंदौर। प्रदेश में हाल ही में हुए डीन भर्ती मामले में बुधवार को सरकार ने जवाब पेश कर दिया। इंदौर हाई कोर्ट ने सरकार को जवाब के लिए दो सप्ताह का समय दिया था। मामला सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डायरेक्ट भर्ती से जुड़ा है। डॉक्टर इसका विरोध कर रहे हैं। बता दें कि प्रत्येक मेडिकल कॉलेज में डीन का पद प्रमोशन का पद है। फैकल्टी जब प्रमोशन के बाद प्रोफेसर बन जाती है, तब उनमें से सीनियर व्यक्ति को डीन बना देते हैं। डायरेक्ट भर्ती का विरोध कर रहे डॉक्टर्स का कहना है कि किसी भी मेडिकल टीचर के जीवन का ये स्वर्णिम अवसर होता है, जब वो डीन बनता है। 2024 के पहले तक ये सब प्रमोशन के पद थे। मध्यप्रदेश शासन में दो प्रकार के मेडिकल कॉलेज हैं। ऑटोनॉमस और सरकारी। ऑटोनॉमस कॉलेजों में वहां काम कर रही फैकल्टी को ही डीन के पद पर प्रमोट किया जाता है। लेकिन सरकार ने डीन के जितने भी पद थे। उन्हें शासकीय कर दिया। पुराने ऑटोनॉमस कॉलेज के डीन के पद को भी शासकीय कर दिया। उन्हें कॉमन पूल में भी लेकर आ गए। यानी अब ऑटोनॉमस और सरकारी मिलाकर 19 मेडिकल कॉलेज में कहीं भी ट्रांसफर कर देंगे।

मामले में मेडिकल टीचर एसोसिएशन ने अपनी बात रखी है कि पदों को प्रमोशन से भरने दो। लेकिन इनके लिए डायरेक्ट भर्ती प्रक्रिया लागू कर दी गई है। मार्च में डॉक्टरों के इंटरव्यू करवा दिए और डीन के पद पर नियुक्ति दे दी। मामले में इंदौर के डॉ. वेदप्रकाश पांडे ने इस प्रक्रिया को इंदौर हाई कोर्ट में चैलेंज किया। सबसे पहले सिंगल बेंच में गए। प्रक्रिया रोकने की मांग की। सिंगल बेंच ने कहा कि फाइनल ज्यूरीडिक्शन हमारा होगा। पांडे इस निर्णय के खिलाफ डबल बेंच में चले गए। कोर्ट ने कहा कि आपकी समस्या को हम सुलझा देंगे। सिंगल बेंच में चले जाइए। इसके बाद सिंगल बेंच ने इस मामले में सरकार को जवाब देने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। जवाब नहीं देने पर एकतरफा फैसला सुनाने की चेतावनी दी। जिस पर सरकार ने अपना जवाब प्रस्तुत कर दिया है। जवाब प्रस्तुत करने के बाद अब कोर्ट अपना फैसला देगी। डॉ.वेदप्रकाश पांडे ने बताया कि सरकार का जवाब आ गया है। अगली तारीख के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिली है।

इंडोनेशिया घूमने गए सीए के घर लाखों की ज्वेलरी और रुपए चोरी

इंदौर। इंदौर के मल्हारगंज इलाके में रहने वाले एक सीए के यहां लाखों की चोरी हो गई। उनके कपड़ा व्यवसायी साले ने केस दर्ज कराया है। सीए अपनी शादी की 25वीं सालगिरह मनाने परिवार के साथ 3 मई को इंडोनेशिया गए हैं। मल्हारगंज पुलिस के मुताबिक रामचंद्र नगर एक्सटेंशन में रहने वाले सीए देवेन्द्र बंसल के यहां चोरी की वारदात हो गई। उनके साले मनीष अग्रवाल ने केस दर्ज कराया है। मनीष ने बताया कि उनकी मां मंगलवार दोपहर जानकारी दी कि जीजा देवेन्द्र बंसल के यहां चोरी हो गई। वह मौके पर पहुंचे तो दरवाजे के ताले टूटे थे। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। कमरे में पहुंचे तो अलमारी से आभूषण के बॉक्स खाली मिले। उन्होंने अपने जीजा देवेन्द्र को कॉल किया।

मृदुभाषी

सच्ची खबरें, सलीके के साथ

इंदौर | भोपाल से एक साथ प्रकाशित

facebook.com/mradubhashi twitter.com/mradhubhashi www.mradubhashi.com इंदौर, गुरुवार, 09 मई 2024 नगर संस्करण, वर्ष: 04, अंक: 257, पृष्ठ : 08, मूल्य: 5.00 रुपए

मौसम के कई रंग...भीषण गर्मी के बीच कई जिलों में गिरे ओले

इंदौर, भोपाल, रतलाम, खरगोन में जमकर बारिश

इंदौर। मप्र में बुधवार को मौसम के कई रंग देखने को मिले। कुछ जिले हीट वेव की वजह से परेशान रहे तो कुछ जिलों में बारिश और ओलावृष्टि हुई। इंदौर में सुबह तेज गर्मी पड़ी और दोपहर में कई क्षेत्रों में पानी गिरा। मंदसौर, भोपाल, खरगोन, रतलाम और उज्जैन में भी कई जगह पानी गिरा। खंडवा में बूंदाबांदी हुई। विदिशा में ओलावृष्ट हुई और करीब 10 मिनट तक बारिश के साथ ओले गिरे। आगर-मालवा जिले में सुबह से ही बादल छाए रहे और दोपहर बाद तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अभी दो दिन प्रदेश में इसी तरह का मौसम रहेगा। प्रदेश में सर्वाधिक अधिकतम तापमान गुना में 43.7 दर्ज किया गया न्यूनतम तापमान मलांजखंड में 19.1 रहा।

इंदौर में बुधवार दोपहर बाद से मौसम बदल गया। दोपहर करीब 2 बजे शहर के पश्चिमी इलाके में तेज हवा के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई और मौसम में ठंडक घुल गई। देर शाम पूर्वी इलाके में भी पानी गिरा। जिसके बाद लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। शहर के कई इलाकों में दोपहर बाद से ही तेज हवा के साथ बदल छाए हुए थे। देर शाम गरज चमक के साथ बारिश हुई इस दौरान बिजली चमकती रही। अचानक बारिश शुरू होते ही शहर के कई इलाकों में अंधेरा छा गया। कुछ मिनटों के अंतराल में ही बिजली विभाग के पास लाइट गुल होने की सैकड़ों शिकायतें पहुंच गई। इंदौर के पश्चिमी इलाके में तेज आंधी के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई। शाम होते-होते विजय नगर, एलआईजी क्षेत्र में घने बादल छा गए। तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई।

आने वाले दिनों में भी बूंदाबांदी की संभावना

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक वर्तमान में उत्तर भारत में एक पश्चिमी विक्षोभ बना है। वहीं उत्तर पूर्वी मप्र पर ऊपरी हवाओं का चक्रवाती घेरा बना हुआ। इसके अलावा एक द्रोणिका उत्तरी उड़ीसा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश से होते हुए दक्षिणी पश्चिमी राजस्थान तक जा रही है। इसके असर से 9 मई के बाद इंदौर में बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी होने की संभावना है।

माह में तीसरी बार पारा 40 के पार

इंदौर में मई की शुरुआत से ही गर्मी कहर बरपा रही है। मई के पहले हफ्ते में ही गर्मी के तेवर इतने तीखे हैं कि हाल बेहाल हो गए हैं। बुधवार को तापमान 1 डिग्री बढ़कर 40.8 पर रहा। इस बार पहले हफ्ते में ही तीन दिन ऐसे रहे जब दिन का पारा 40 डिग्री के पार जा पहुंचा। स्थिति यह है कि इन दिनों रोज 12 बजे बाद गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे हैं। लोग पसीने में तर हो रहे हैं। दिन में इसका असर जन जीवन पर दिख रहा है। खास बात यह कि इस बार मई के पहले हफ्ते ने पिछले साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। पिछले साल की तुलना में इस बार दिन का औसतन तापमान 4 डिग्री बना हुआ है। रात का तापमान 2 डिग्री ज्यादा है।

आज के लिए इन जिलों में चेतावनी

बारिश - सिहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, धार, इंदौर, देवास, अनुपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पांढुर्णा और रीवा संभाग के जिलों में।
लू - गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, भिंड, मुरैना, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी जिलों में।
ओलावृष्टि - रीवा संभाग के जिलों में, छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पांढुर्णा जिलों में।

प्रदेश के प्रमुख शहरों का तापमान

40.8	इंदौर
40.8	भोपाल
39.8	जबलपुर
42.7	ग्वालियर

गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी

मौसम वैज्ञानिक प्रकाश धावले के मुताबिक अभी ईरान के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव है। इसके साथ ही दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन भी है। 9 मई तक प्रदेश के कई जिलों गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी। हीट वेव भी चलेगी। इंदौर में अभी गर्मी रहेगी। इस दौरान तापमान में 1 डिग्री का इजाफा हो सकता है। 9 मई को मौसम में बदलाव हो सकता है।

ब्रीफ न्यूज़

फूड प्रोडक्ट कंपनी के नाम से बन रहा था नकली उत्पाद, कार्रवाई के निर्देश

इंदौर। शहर के एक फूड प्रोडक्ट का अन्य कंपनी द्वारा कॉपीराइट और ट्रेडमार्क उल्लंघन पर दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने ऑर्डर जारी कर कार्रवाई के निर्देश दिए है। जानकारी के मुताबिक राजशाही फूड प्रोडक्ट्स, इंदौर के द्वारा बनाए जा रहे मिष्ठान के कॉपीराइट और ट्रेडमार्क के उल्लंघन के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट ने नकली माल बनाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। उल्लंघन के मामले में इंदौर में स्थित एक कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की गई। अदालत के निर्देश के बाद निजी कंपनी से बड़ी संख्या में नकली उत्पाद, जो कि नकली लोगों का प्रयोग व मिलते-जुलते नामों के पैकेजिंग और कच्ची सामग्री भी जब्त की गई है। नकली माल बनाने वाली कंपनी उपभोक्ता को गुमराह करने के लिए जो प्रोडक्ट बेच रही थी, उसे लेकर भी सार्वजनिक सूचना जारी की गई है कि डिस्ट्रीब्यूटर भी यह प्रोडक्ट नहीं बेचे। यदि इस तरह की सामग्री मिलती है तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

श्वान के साथ क्रूरता, पीटकर बोरे में भरकर फेंका, एफआईआर दर्ज

इंदौर। इंदौर के एमआईजी थाने पर एक महिला ने श्वान के साथ क्रूरता करने के मामले में पड़ोसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई है। आरोपी ने श्वान को पहले डंडे से पीटा बाद में बोरे में भरकर दूसरे स्थान पर छोड़ दिया। एमआईजी पुलिस के मुताबिक घटना कृष्णबाग कॉलोनी की है। यहां रहने वाली फरियादी किरण सूर्यवंशी का आरोप है कि 11 महीने से वह देसी श्वान को खाना खिला रही थी। श्वान कॉलोनी में घूमता रहता था। घर के सामने रहने वाला एस कुमार इस बात पर आपत्ति लेता था। एक दिन एस कुमार ने श्वान की पिटाई की और बोरे में भरकर फेंक दिया। इधर, एक अन्य मामले में चंदन नगर पुलिस ने भी ऑटो रिक्शा चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता प्रियांशु जैन के मुताबिक आरोपी ने सहयोग नगर में सोते हुए श्वान के बच्चों को कुचल कर मार डाला था।

इंदौर की सियासत में छाया है बम कांड और नोटा, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने भी इन्हीं बातों का किया जिक्र

वीडी शर्मा ने अक्षय बम को बताया खोटा सिक्का

इंदौर। इस समय इंदौर की सियासत में अक्षय बम और कांग्रेस की नोटा की अपील चर्चा का विषय बनी हुई है। इस बीच बुधवार शाम बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा इंदौर पहुंचे। उन्होंने अक्षय कांति बम का नाम लिए बिना कहा कि आपका सिक्का खोटा है और लोग नोटा पर क्यों वोट डालें। कांग्रेस धरातल की ओर जा रही है। जीतू पटवारी कांग्रेस को समापन की ओर बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश और देश की जनता अब कांग्रेस पार्टी को वोट नहीं देने वाली, जो पार्टी खजुराहो और इंदौर सहित देश की कई सीटों पर अपने प्रत्याशी तक खड़ा नहीं कर पाई वो नोटा का बटन दबाने की बात कह रहे हैं। देश के आजाद होने के बाद महात्मा गांधी ने कांग्रेस को खत्म करने की बात कही थी। जीतू पटवारी गांधीजी के उस सपने को पूरा करने पर तुले हुए हैं। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि देश में विपक्ष नहीं है। देश में जो विपक्षी दल है वे सब अपने परिवारों के लिए राजनीति कर रहे हैं।

बता दें कि अक्षय कांती बम के नामवापसी के बाद पटवारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐलान किया था कि उनकी पार्टी इंदौर में किसी भी प्रत्याशी को समर्थन नहीं देगी। दलबदल के विरोध में नोटा ही हमारा विकल्प होगा। पार्टी हाईकमान ने भी यही निर्देश जारी किए हैं। पटवारी ने कहा था कि कांग्रेस पार्टी के पास बीजेपी को सबक सिखाने के कई तरीके है। ये इंदौर की जनता को तय करना है। हम चुनाव का बहिष्कार करने के लिए नहीं कहेंगे। लेकिन नोटा का विकल्प हम सब के पास है।

कांग्रेस ने इंदौर की जनता से किया धोखा

वीडी शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश सहित देश के कांग्रेस नेतृत्व में घोर निराशा व हताशा का माहौल बना हुआ है। कांग्रेस ने इंदौर की जनता के साथ धोखा किया है। खजुराहो में कांग्रेस ने मैदान छोड़ा, समाजवादी पार्टी को समर्थन दिया। उसने भी प्रत्याशी बदला, फिर दूसरे प्रत्याशी ने गलत फार्म भरकर मैदान छोड़ दिया। देश की कई सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पाई, इससे स्पष्ट होता है कि कांग्रेस देशभर में समापन की ओर बढ़ रही है।

जीतू पटवारी के बयान पर किया पलटवार

वीडी शर्मा ने कहा कि जीतू पटवारी कह रहे हैं कि उनके प्रत्याशी का अपहरण किया गया है, राजनीतिक माफियागिरी हो रही है। कार्यकर्ता आपका, नेता आपका, जीतू पटवारी का खास और फायनेंसर भी खास हो मुझे नहीं पता, आरोप बीजेपी पर लगा रहे हैं। उन्होंने खजुराहो में भी आरोप लगाए थे कि गुंडागर्दी हुई है। आपके इंडी गठबंधन के सपा के प्रत्याशी का फार्म ही गलत था, रद्द हुआ, वह खुद कोर्ट नहीं जा रहे। अब इंदौर में राजनीतिक माफिया का आरोप लगा रहे, मप्र के अन्य शहरों पर भी माफिया होने का आरोप लगा रहे जो इन शहरों की अपमान है। खोटा सिक्का है तो बीजेपी ने क्यों लिया? इस पर वीडी शर्मा ने कहा कि जो भी मोदी के नेतृत्व में भरोसा करता है। जो देश और समाज के लिए कुछ करना चाहते है चाहे वह राजनीतिक दल से हो या अन्य तबके से, सभी का स्वागत है। यदि दरवाजे पर कोई आता है तो बीजेपी सदस्यता देती है। उन्होंने खुद अपना फार्म वापस लिया, प्रेस के सामने आकर बोला फिर बीजेपी कहां से आ गई। बीजेपी ने तो उन्हें टिकट नहीं दिया था।

कांग्रेस में अंग्रेजों के जीन्स

सैम पित्रौदा के बयान और इस्तीफे को लेकर वीडी शर्मा ने कहा कि यह बताता है कि कांग्रेस में अंग्रेजों के जींस है। वे डिवाइड एंड रूल्स करना चाहते हैं। अब देश वोट जिहाद पर नहीं रामराज्य पर चलेगा। पित्रौदा देश का अपमान कर रहे हैं, राहुल भी बाहर जाकर देश का अपमान करते हैं, और कमलनाथ प्रदेश का और पटवारी प्रदेश के शहरों का। इस प्रेसवार्ता में राघवेंद्र गौतम, आशीष अग्रवाल, गौरव रणदिवे, पुष्यमित्र भार्गव, चिंटू वर्मा, नरेंद्र सलूजा, गोलू शुक्ला व अन्य उपस्थित थे।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा बुधवार सुबह मध्यप्रदेश के खंडवा जिले के दौरे पर रहे। इसके बाद शाम को इंदौर पहुंचे। खंडवा में सबसे पहले उन्होंने निमाड़ के प्रसिद्ध दादाजी धाम पहुंचकर दर्शन पूजन कर प्रदेश की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

इंदौर के खिलाड़ियों ने रोशन किया नाम, तीरंदाजी में 12 स्वर्ण पदक दिलाए

इंदौर। 6वें यूथ गेम्स काउंसिल ऑफ इंडिया एवं यूथ गेम्स डेवलपमेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया के तहत हाल ही में नेपाल में हुए इंडो-नेपाल इंटरनेशनल चैंपियनशिप में इंदौर के बच्चों ने एक बार फिर देश एवं शहर का नाम रोशन किया है। इंदौर की राज आर्चरी एकेडमी की अध्यक्ष शर्मिला भालसे जी ने बताया कि हमारे 4 तीरंदाजों ने अलग-अलग वर्ग में खेलते हुए देश को कुल 12 स्वर्ण पदक एवं दौड़ में 1 स्वर्ण पदक दिलाए हैं और शहर और देश का नाम रोशन किया है।

नेपाल में खेली गई इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में खेली गई तीन प्रतियोगिताओं में राज आर्चरी एकेडमी के 4 तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। चिरंजीव डामोर ने अंडर 9 कंपाउंड में खेलते हुए 160 अंकों में से 159 अंक पाकर स्वर्ण पदक हासिल किया। चिरंजीव पहले भी इसी साल जनवरी में ह्यू इंटरनेशनल चैम्पियनशिप में जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। इस तरह उन्होंने पिछले 3 महीने में 6 स्वर्ण पदक प्राप्त किए। अंडर 14 रिकर्व राउंड में शिवेंद्र डामोर ने भी 3 इवेंट खेलते हुए 3 गोल्ड मेडल पे निशाना साधा। खनन विभाग में टीआई के रूप में कार्यरत चिरंजीव और शिवेंद्र के पिता चैन सिंह डामोर ने अपने व्यस्त समय से निकाल कर अपने बच्चों पर ध्यान दिया और उनका हौसला बढ़ाया।

ऑटो पार्ट्स की दुकान पर काम करते हैं पिता: प्रतिस्पर्धा में अंडर 14 कंपाउंड में खेलते हुए श्रेष्ठ यादव ने भी बेहतर प्रदर्शन किया और 3 इवेंट्स में 160 में 159 प्वाइंट लेकर 3 स्वर्ण पदक हासिल किया। बच्चे के पिता चंद्रेश यादव ने ऑटो पार्ट्स की दुकान पर सेवा देते हुए भी अपने बच्चे का साथ दिया, हर दिन समय निकाल कर अपने बेटे के लिए खेल मैदान में आए और उसे प्रोत्साहित किया। सामान्य सी नौकरी करते हुए भी उन्होंने अपने बच्चे की हर जरूरत पूरी किया और यह दिखाया कि खिलाड़ी को मुकाम पर पहुँचाने के लिए उनके माता पिता का बड़ा योगदान होता है।

तीन स्वर्ण पदक लिए

अंडर 19 रिकर्व राउंड में खेलते हुए राज आर्चरी एकेडमी के समीर यादव ने 3 इवेंट में 160 अंकों में से 150 अंक हासिल कर तीन स्वर्ण पदक प्राप्त किए। इनके दोनों माता पिता पुलिस सेवा में होने के कारण उन्हें अभिवावकों से ज्यादा समय नहीं मिल पाया, लेकिन उनके कोच सर (मनोज राजपूत) ने कभी उन्हें अकेले महसूस में नहीं होने दिया, माता पिता ने भी हर संभव कोशिश कर बच्चे की मदद की। समीर छठी कक्षा में से तीरंदाजी सिखना चाहते थे और उनके पिता भी यही चाहते थे। बहुत खोजने के बाद जब उन्हें इंदौर राज आर्चरी एकेडमी के बारे में पता चला और सिर्फ 6-8 महीने की कड़ी मेहनत से समीर ने पदक हासिल किया। भारतीय सेना में जाने की तैयारी कर रहे राज आर्चरी एकेडमी के एक और छात्र राजकुमार ओसारी ने भी इंडो-नेपाल अंतरराष्ट्रीय चैंपियनशिप में 5000 मीटर 5 किमी में हिस्सा लेते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया जो राजकुमार का पहला अंतरराष्ट्रीय पदक है। राजकुमार के पिता रामकरण ओसारी नर्मदा प्रोजेक्ट में काम करते हैं। राजकुमार घर से दूर हॉस्टल में रहकर ना सिर्फ भारतीय सेना में जाने के लिए पसीना बहा रहे हैं बल्कि अपना खर्चा चलाने के लिए नौकरी भी करते हैं।

दुनियाभर में इस साल सबसे गर्म रहा अप्रैल का महीना

लगातार बढ़ रहे तापमान से दुनियाभर के मौसम निगरानी संगठनों तथा शोधकर्ताओं के माथे पर चिंता की लकीरें हैं। तत्काल हानिकारक गैसों के बेतहाशा उत्सर्जन, दूसरे सभी जिम्मेदार कारणों सहित प्रदूषण कम करने को लेकर दुनिया एकमत-एकजुट नहीं हुई, तो मानवता के विनाश के साथ प्रकृति, वायुमंडल, हरियाली, जलस्रोतों पर कैसा घातक असर होगा, उसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। यह विडंबना है कि जलवायु परिवर्तन को लेकर अब भी वैसी गंभीरता नहीं दिख रही है, जैसी अनेक विषम परिणामों के तत्काल बाद दिखनी थी। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव भी मायने रखता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से, इसके बहुत गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं। जलवायु तापमान संबंधी कोई भी लेखा-जोखा, एक डिग्री के दसवें हिस्से से लेकर सौवें के अंतर तक भी टूटता है तो, असाधारण होता है। पिछले कुछ दिनों से गर्मी लगातार बढ़ती जा रही है। चुभती-जलती गर्मी से लोगों का हाल बेहाल हो गया है। आने वाले महीनों में गर्मी में और इजाफा देखने को मिल सकता है। इस बीच एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। दुनियाभर में इस साल अप्रैल का महीना अब तक का सबसे गर्म अप्रैल रहा और रिकॉर्ड गर्मी, बारिश व बाढ़ के कारण कई देशों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बुधवार को जारी नए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने कहा कि यह रिकॉर्ड-उच्च तापमान का लगातार 11वां महीना था, जो कमजोर हो रहे अल नीनो (मौसम प्रणाली) और मानव-जनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है।

दुनियाभर में इस साल अप्रैल का महीना अब तक का सबसे गर्म रहा और रिकॉर्ड गर्मी, बारिश व बाढ़ के कारण कई देशों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बुधवार को जारी नए आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस (सी3एस) ने कहा कि यह रिकॉर्ड-उच्च तापमान का लगातार 11वां महीना था।

अप्रैल में औसत तापमान 15.03 डिग्री सेल्सियस रहा, जो निर्दिष्ट पूर्व-औद्योगिक संदर्भ अवधि (1850 से 1900) में उल्लेखित अप्रैल के औसत तापमान से 1.58 डिग्री सेल्सियस अधिक था। यह अप्रैल के लिए 1991-2020 के औसत से 0.67 डिग्री सेल्सियस अधिक और अप्रैल 2016 में दर्ज किए गए पिछले सबसे उच्च तापमान से 0.14 डिग्री सेल्सियस अधिक था। सी3एस के निदेशक कार्लो बूनटेम्पो ने कहा है कि वर्ष की शुरुआत में अल नीनो चरम पर था, और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत क्षेत्र में समुद्र की सतह का तापमान अब न्यूट्रल स्थितियों की ओर वापस जा रहा है। हालांकि, एक ओर अल नीनो जैसी प्राकृतिक प्रणालियों से जुड़े तापमान में बदलाव आते-जाते रहते हैं, तो दूसरी ओर ग्रीनहाउस गैसों की बढ़ती सांद्रता के कारण समुद्र व वायुमंडल में मौजूद अतिरिक्त ऊर्जा वैश्विक तापमान को नए रिकॉर्ड की ओर धकेलती रहेगी। जलवायु एजेंसी ने कहा कि पिछले 12 महीनों (मई 2023-अप्रैल 2024) में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है, जो 1991-2020 के औसत से 0.73 डिग्री सेल्सियस अधिक और 1850-1900 की अवधि के पूर्व-औद्योगिक काल के औसत से 1.61 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

सी3एस के अनुसार, वैश्विक औसत तापमान जनवरी में पहली बार पूरे वर्ष की 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर गया। वायुमंडल में ग्रीनहाउस गैसों - मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड और मीथेन की तेजी से बढ़ती सांद्रता के कारण पृथ्वी की वैश्विक सतह का तापमान 1850-1900 के औसत की तुलना में पहले ही लगभग 1.15 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। माना जा रहा है कि इस तापमान वृद्धि के कारण दुनियाभर में रिकॉर्ड सूखा, जंगलों में आग और बाढ़ जैसी घटनाएं देखी जा रही हैं। जर्मनी के पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के वैज्ञानिकों द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जलवायु घटनाओं के प्रभाव से वैश्विक अर्थव्यवस्था को 2049 तक प्रति वर्ष लगभग 380 खरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान हो सकता है। वैज्ञानिक शायराना अंदाज में कहते हैं, धरती को बुखार हो गया है। इसका मतलब यह है कि तापमान 1850-1900 के औद्योगिक क्रांति से पहले के औसत की तुलना में 1.5 और 2 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार करने के करीब है। यह लोगों को गर्मी से होने वाली मुश्किलें जैसे जलवायु परिवर्तन के खतरों की तरफ धकेल रहा है।

तीसरे चरण में भी कम वोटिंग... क्या हैं मायने ?

लोकसभा चुनाव के तीन चरणों के लिए वोटिंग हो चुकी है। मंगलवार को 93 लोकसभा सीटों के लिए तीसरे चरण के मतदान में 64.5% वोटिंग हुई। यह 2019 के लोकसभा चुनाव में हुए 66% वोटिंग से कुछ कम है। पहले दो चरणों की तरह, तीसरे दौर में भी 2019 की तुलना में कम मतदान प्रतिशत दर्ज किया गया हालांकि अंतर काफी कम हो गया है। पहले चरण में 66.14 प्रतिशत और दूसरे चरण में 66.71 प्रतिशत मतदान हुआ था। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि तीनों चरणों में यूपी और बिहार में मतदान प्रतिशत सबसे कम रहा। खास बात है कि चुनाव आयोग की तरफ से किए गए कई प्रयासों के बावजूद कम वोटिंग प्रतिशत चिंता का विषय है। हालांकि, तीसरे चरण में छत्तीसगढ़, कर्नाटक और गोवा में मतदान प्रतिशत में वृद्धि देखी गई। अब सवाल उठता है कि कम वोटिंग प्रतिशत के सत्ताधारी बीजेपी नीत एनडीए और कांग्रेस के लिए क्या मायने हैं। कई चुनाव विश्लेषक कम वोटिंग प्रतिशत को बीजेपी के लिए झटका बता रहे हैं। हालांकि, अभी चार चरण की वोटिंग बची हुई है। अभी भी घटनाओं और आश्चर्यों की गुंजाइश है जो चुनाव का रुख बदल सकते हैं। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि संभावना का संतुलन बीजेपी के पक्ष में झुका हुआ है, लेकिन शायद उतनी मजबूती से नहीं जितनी उन्हें उम्मीद होगी।

अनिल कुमार

कई चुनाव विश्लेषक कम वोटिंग प्रतिशत को बीजेपी के लिए झटका बता रहे हैं। हालांकि, अभी चार चरण की वोटिंग बची हुई है। अभी भी घटनाओं और आश्चर्यों की गुंजाइश है जो चुनाव का रुख बदल सकते हैं। चुनाव विश्लेषकों का कहना है कि संभावना का संतुलन बीजेपी के पक्ष में झुका हुआ है, लेकिन शायद उतनी मजबूती से नहीं जितनी उन्हें उम्मीद होगी।

भारत में हो रहे 7 चरण के चुनाव में से तीन चरण के चुनाव हो चुके हैं। कई राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अब तक कम मतदान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कैंपेन मैनजरों को परेशान कर दिया है। अब यह सवाल उठ रहा है कि बीजेपी नीत एनडीए एक महीने पहले जनमत सर्वेक्षणों में भविष्यवाणी की गई भारी जीत हासिल कर सकते हैं। माना जा रहा है कि कम वोटिंग को आंशिक रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं की उदासीनता को जिम्मेदार ठहराया गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं को लग रहा है कि जीत निश्चित है। दूसरी तरफ पीएम मोदी ने अपने प्रचार अभियान में हिंदू बहुमत, पार्टी के समर्थन आधार को जगाने और उन्हें मतदान केंद्रों तक लाने के लिए रणनीति बदलने के लिए प्रेरित किया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल के अनुसार वोटिंग प्रतिशत उम्मीद से कम रहा है लेकिन अंतिम नतीजों पर इसका ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कई मतदाता सुस्त हो गए हैं क्योंकि वे पार्टी की जीत के बारे में आश्वस्त हैं। इस बदलाव का बीजेपी के मतदाताओं पर कुछ प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में, बीजेपी ने 303 सीटें जीतीं। वहीं, एनडीए के सहयोगी दलों ने लगभग 50 सीटें जीतीं। इस साल का चुनाव शुरू होने से पहले इसका बीजेपी का नारा था अब की बार, 400 पार। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीजेपी नेताओं के साथ ही राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि सात चरण के चुनाव के तीन शुरुआती चरणों में कम वोटिंग प्रतिशत ने बीजेपी के लिए भारी बहुमत की उम्मीदें कम कर दी हैं। हालांकि इन लोगों का कहना है कि अभी भी बीजेपी का बहुमत बरकरार रहने की संभावना है। हरियाणा में बीजेपी की प्रचार समिति के सदस्यों में से एक संजय शर्मा ने कहा कि मतदान प्रतिशत में गिरावट मुख्य रूप से पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं के बीच उदासीनता के कारण है। उन्होंने कहा कि कुछ उम्मीदवार

सत्ता विरोधी लहर से प्रभावित हो रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्टी को राज्य में कड़ी लड़ाई का सामना करना पड़ रहा है। बीजेपी ने हरियाणा में 2019 में सभी दस सीटें जीतीं थी।

दूसरी तरफ पीएम मोदी के चुनाव प्रचार में मुद्दा बदल गया है। मोदी ने खुद अपने प्रचार भाषणों में अपने 10 साल के कार्यकाल में प्रशासन की सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अल्पसंख्यकों, मुस्लिमों और कांग्रेस पर अधिक निशाना साधना शुरू कर दिया है। पीएम मोदी मंगलसूत्र, पाकिस्तान, मुस्लिमों को आरक्षण जैसे मुद्दे पर विपक्ष को घेर रहे हैं। इतना ही नहीं वे बाटला हाउस एनकाउंटर के मुद्दे पर सोनिया गांधी पर भी निशाना साध रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पीएम मोदी ने पहले चरण के मतदान के बाद से ही अपना रुख बदल लिया है। यूपी में बीजेपी के जिला चुनाव प्रचार से जुड़े अनिरुद्ध सिंह का मानना है कि अगर चुनाव फरवरी-मार्च के दौरान होता, तो पार्टी को भरपूर चुनावी लाभ मिलता। उस समय राम मंदिर निर्माण को लेकर उत्साह अपने चरम पर था। कैंपेन मैनेजरों का कहना है कि पार्टी मंदिर के उद्घाटन के बाद मोदी के लिए जनता का समर्थन भुनाने में विफल रही है। सिंह ने कहा, यह देखते हुए कि धार्मिक फील-गुड मूड की जगह बड़े पैमाने पर नौकरियों और महंगाई जैसे मुद्दों ने ले ली है। केंद्र में लगातार तीसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव लड़ रही बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों संग बैठक की। बैठक में मतदान के प्रतिशत और वोटिंग पैटर्न के अनुमान के साथ ही बचे हुए चार चरणों के लोकसभा चुनाव की चुनावी रणनीति, एजेंडे, मुद्दे और तैयारियों को लेकर अहम चर्चा की गई।

पिछले दो आम चुनावों में मोदी से परास्त होने के बाद, विपक्षी दलों को बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद है। कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मोदी के चुनाव प्रचार अभियान की भाषा और शैली में बदलाव से घबराहट की भावना झलकती है। मतदान के रुझान दिखाते हैं कि उन राज्यों में कोई मोदी लहर नहीं है जहां 2019 में हमारा सफाया हो गया था, इस बार रुझान उत्साहजनक हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को दावा किया कि देश में तीन चरणों के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी की कुर्सी डगमगा रही है। खड़गे ने कहा कि उन्होंने अपने ही मित्रों पर हमला शुरू कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने जोर दिया कि यह चुनाव परिणामों के असली रुझान को दर्शाता है। राजस्थान की बात करें तो यहां कम वोटिंग प्रतिशत से राज्य सरकार को नुकसान होता है। वहीं, लोकसभा में वोटिंग प्रतिशत बढ़ता है तो बीजेपी को फायदा होता है। इस बार राजस्थान में वोटिंग प्रतिशत पिछले चुनाव के मुकाबले कम रहा है। दूसरी तरफ कांग्रेस अपने प्रचार अभियान में लगातार महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे को उठा रही है। कांग्रेस लगातार यह संदेश दे रही है कि अगर इस बार केंद्र में मोदी सरकार आई तो उनकी वास्तविक मंशा संविधान को बदलना तथा आरक्षण खत्म करना है। कांग्रेस लगातार यह कह रही है कि यही वजह है कि उनकी पार्टी के नेता लोकसभा चुनाव में जनता से 400 से अधिक सीट जिताने के लिए कह रहे हैं। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा का कहना है कि लोग कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बातों पर भरोसा कर रहे हैं। राहुल गांधी ने यह भरोसा अपनी भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कारण अर्जित किया है। देश में अब 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को क्रमशः चौथे, पांचवे, छठे और सातवें चरण के लिए वोट डाले जाएंगे।

देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के अर्थशास्त्री सौम्य कांति घोष ने लोकसभा चुनाव के पहले दो चरणों में कम मतदान से जुड़ी चिंताओं को मिथक बताया है। उन्होंने कहा कि डाले गये मतों की कुल संख्या की तुलना करना मतदान के विश्लेषण का एक बेहतर तरीका है। भारतीय स्टेट बैंक में समूह मुख्य अर्थशास्त्री घोष ने कहा कि वास्तव में पहले दो चरणों में डाले गये वोटों की कुल संख्या में 0.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सोलहवें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य घोष ने कहा कि मतदान 2019 के आम चुनावों के रुख से लगभग 3.1 प्रतिशत कम है। हालांकि उन्होंने कहा कि चुनाव के बाकी चरणों में संख्या बढ़ सकती है और इसमें जे-आकार यानी स्थिर रुख के बाद तेज वृद्धि होगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2019 के दौरान मतदान प्रतिरूप में सात चरणों में गिरावट देखी गई थी। यह शुरू में 69.4 प्रतिशत रहा और अंत में 61.7 प्रतिशत पर आ गया। यह भी माना जा रहा है कि 2024 में स्थिति इसके उलट हो सकती है। पहले दो चरणों में किए मतदान की पूरी संख्या को देखते हुए मतदान प्रतिशत में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है।

स्पेशल

बंगाल में खोई जमीन तलाशता वाम मोर्चा

जयंत घोषाल

एक समय था, जब भारत की राजनीति में वाम दलों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण हुआ करती थी। दिल्ली में आज भी अरुणा आसफ अली रोड है। अरुणा आसफ अली दिल्ली नगर निगम की पहली चेयरपर्सन चुनी गई थीं। वे अपने दौर की काफी बड़ी वामपंथी नेता थीं। पश्चिम में महाराष्ट्र के श्रीपाद अमृत डांगे से लेकर तेलंगाना, आंध्र जैसे दक्षिणी प्रदेशों में, बल्कि पूरे देश में वाम नेताओं की जनता पर अच्छी पकड़ थी, केरल में तो खैर आज भी है।

ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ जब कांग्रेस देश की आजादी की लड़ाई लड़ रही थी, तब उसके भीतर ही वामपंथी और दक्षिणपंथी, दोनों तरह की सोच रखने वाले गुट सक्रिय थे। दक्षिणपंथी गुट के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कांग्रेस से बाहर निकलकर जनसंघ की शुरुआत की, जबकि ईएमएस नंबूदिरीपाद आदि बहुत सारे नेताओं ने भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का दामन थाम लिया। मगर आगे चलकर वामपंथ में अंदरूनी विभाजन हुआ और आहिस्ता-आहिस्ता वाम नेताओं की पकड़ कमजोर पड़ती गई। सिर्फ पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और केरल में उनका कुछ आधार कायम रहा। केरल में आज भी उनकी सरकार है, पर पश्चिम बंगाल व त्रिपुरा में वाम मोर्चे की हालत खराब है। स्थिति यह है कि त्रिपुरा में भाजपा लगातार दूसरी बार सत्ता में आ गई है, वहीं पश्चिम बंगाल में लगभग साढ़े तीन दशक तक राज करने

वाली माकपा और उसकी सहयोगी वाम पार्टियां बिल्कुल हाशिये पर चली गई हैं।

साल 2021 के विधानसभा चुनाव में वाम मोर्चे ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था, उन्होंने इंडियन सेक्युलर फ्रंट नाम की एक मुस्लिम पार्टी को भी इस गठबंधन का हिस्सा बनाया। नतीजा यह हुआ कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट का तो एक उम्मीदवार इस चुनाव में कामयाब रहा, पर वाम दलों और कांग्रेस का एक भी प्रत्याशी चुनाव जीत न सका। ऐसे में, आज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि इस आम चुनाव में वाम मोर्चे, खासकर माकपा की क्या रणनीति है?

कोलकाता में अलीमुद्दीन स्ट्रीट पर माकपा का मुख्यालय है। यहीं पर पार्टी के वरिष्ठ नेता विमान बोस रहते हैं। मोहम्मद सलीम सीपीएम के राज्य सचिव बनाए गए हैं। ऐसे में, सवाल उठता है कि आखिर इतने वर्षों के बाद मुस्लिम समाज के एक नेता को माकपा ने क्यों राज्य सचिव बनाया? इसके पहले मुजफ्फर अहमद, जिनको प्यार से कॉमरेड काका बाबू पुकारते थे, को इतना सम्मान मिला था। काका बाबू पार्टी के संस्थापक सदस्य थे। काका बाबू के बाद हमेशा बंगाली हिंदू ही सीपीएम के नेता बनते रहे हैं। यह कोई ढकी-छिपी बात नहीं है कि पश्चिम बंगाल में लगभग 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं और भाजपा वहां आक्रामक हिंदुत्व का कार्ड खेल रही है। इस कार्ड ने उसे यहां जबर्दस्त कामयाबी भी दिलाई है। याद कीजिए, एक समय था, जब भाजपा कोलकाता नगर निगम चुनाव में महज दो सीट जीत सकी थी, तब लालकृष्ण आडवाणी ने खुशी जाहिर करते हुए बाकायदा बयान दिया था कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सूबे में हमारा खाता खुल गया है। कोलकाता में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खूब गुलाल उड़ाए थे, मानो कोई बड़ी जीत मिली है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी की सफलता का आलम यह है कि पिछले आम चुनाव में राज्य की 42 लोकसभा सीटों में से 18 पर जीत हासिल करके भाजपा ने न केवल सबको चौंका दिया, बल्कि अब वह विधानसभा में मुख्य प्रतिपक्ष है।

साफ है, बंगाल में सीपीएम की जगह भाजपा ने हथिया ली है। मोदी का राष्ट्रीय नेतृत्व का अपना आभामंडल तो है ही, राज्य में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और राज्य भाजपा के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार, दोनों काफी मेहनत भी कर रहे हैं। माकपा को यह लगने लगा है कि इंडियन सेक्युलर फ्रंट और कांग्रेस के साथ गठजोड़ करने से भाजपा को ही फायदा होता है, क्योंकि उसका हिंदू वोट भाजपा को और मुस्लिम आधार इंडियन सेक्युलर फ्रंट को ट्रांसफर होने लगा है, लिहाजा इस आम चुनाव में उसने कोई गठबंधन नहीं किया। अलबत्ता, उत्तरी बंगाल में उसने कांग्रेस के साथ सीटों का तालमेल जरूर किया है।

प. बंगाल में वाम मोर्चे की दुविधा यह है कि वह अपना सबसे बड़ा शत्रु किसको माने? स्वाभाविक राजनीतिक दुश्मन तो तृणमूल कांग्रेस ही है, क्योंकि ममता ने ही उसको सत्ता से बेदखल किया। माकपा इस बात को भूल नहीं सकती। फिर संदेशखाली की घटना से लेकर ममता सरकार में सामने आए भ्रष्टाचार के मुद्दों, मंत्रियों की गिरफ्तारी को भाजपा जितने जोर-शोर से उठा रही है, उन पर भी माकपा खामोशी नहीं बरत सकती, क्योंकि इससे उसकी विपक्ष की भूमिका प्रभावित होती है और यदि वह आक्रामक विरोध करती है, तो भाजपा विरोधी नैरेटिव को नुकसान पहुंचता है। 2019 और 2021 में माकपा की आंतरिक रणनीति थी कि पहले राम बाद में वाम। यानी राज्य में अभी भाजपा को मजबूत होने दो, बाद में हम उसे हटाएंगे, फिलहाल ममता से निपटना जरूरी है।

मगर इस रणनीति को लेकर इस बार माकपा में मतभेद उभर आया। इस रणनीति के विरोधियों का कहना है कि यदि एक बार भाजपा कोलकाता की सत्ता पर काबिज हो गई, तो अगले तीस वर्षों तक माकपा के लिए सत्ता में लौटना सपना हो जाएगा। इसलिए माकपा दिग्भ्रमित है कि उसका मुख्य दुश्मन कौन है? उसकी एक बड़ी परेशानी यह भी है कि कार्यकर्ता-स्तर पर ममता विरोधी अधिक हैं, जबकि ऊपरी स्तर पर भाजपा के मुखालिफ नेता अधिक हैं। वे सांप्रदायिक मुद्दों को कहीं अधिक महत्वपूर्ण मानते हैं। इस बार यह देखने वाली बात होगी कि माकपा किसके वोट काटती है? पिछले चुनाव में उसका वोट प्रतिशत घटा था और भाजपा को इसका फायदा मिला था। अगर इस बार सीपीएम कुछ वापसी करती है और हिंदू वोटों को अपनी तरफ खींचती है, तो इससे भाजपा का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। इसी तरह, सीएए के बाद मुस्लिम वोट कितना माकपा को मिलता है, यह भी देखने की बात होगी, क्योंकि इस कानून से घबराए मुसलमानों के तृणमूल के पक्ष में लामबंद होने की सूचनाएं मिल रही हैं। जाहिर है, यह चुनाव तो ममता बनाम भाजपा ही है, वाम मोर्चा सिर्फ वोट प्रतिशत बढ़ाने और अपनी खोई जमीन वापस पाने के लिए लड़ रहा है।

गंदी राजनीति ने साधा तकनीक की खतरनाक क्षमताओं को

हरजिंदर

चीजें उसी तरफ बढ़ती दिख रही हैं, जिधर उनके जाने की आशंका थी। गृहमंत्री अमित शाह के नकली वीडियो, यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से संपादित वीडियो का जिस तरह से इस्तेमाल हुआ, उससे साफ हो गया है कि तकनीक की खतरनाक क्षमताओं को गंदी राजनीति ने साधना शुरू कर दिया है। इसके पहले भी कुछ ऐसे वीडियो आ चुके हैं।

चार महीने पहले नए साल का स्वागत करते समय जब यह बताया जा रहा था कि इस वर्ष दुनिया में सबसे ज्यादा देशों में चुनाव होने वाले हैं, तब तमाम विश्लेषणों में यह बात भी नत्थी कर दी गई थी कि 2024 वह साल होने वाला है, जब जनता के फैसले को एआई तकनीक से प्रभावित करने की कोशिशें होंगी। ठीक वैसे ही, जैसे इसके पहले तक हर चुनाव को फर्जी खबरों, यानी फेक न्यूज से प्रभावित करने की कोशिशें होती रहीं। यह साफ था कि एआई झूठी चुनाव गाथाओं को उस हद तक ले जा सकती है, जहां फेक न्यूज पुरातन काल की चीज नजर आने लगे। सबको डर था कि चुनाव की गाथा इस बार कहीं एआई कारखानों से ही न लिखी जाए।

अमेरिका जैसे देश में तो इस साल की शुरुआत से ही झूठ के इस संसार ने नया मायावी रूप धारण करना शुरू कर दिया था।

पिछले दिनों जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने के लिए प्राइमरीज के चुनाव चल रहे थे, तभी से एआई से तैयार किए गए वीडियो आने लग गए। इनमें से एक वीडियो काफी चर्चा में आया, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन अपने पार्टी प्रतिनिधियों से अपील कर रहे थे कि प्राइमरीज के चुनाव में वे वोट न डालें और अपनी ऊर्जा को बाद में चुनाव के लिए बचाकर रखें। हालांकि, इसका कोई असर पड़ता, इसके पहले ही बात खुल गई, लेकिन तब तक यह भी साफ हो गया कि खतरे कहां तक हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव अभी दूर है और जिस तरह से यह सब हो रहा है, मान लिया गया है कि इस चुनाव में एआई के झूठ बड़ी भूमिका निभाएंगे। अमेरिका में यह सब जब होगा, तब होगा, लेकिन भारत में तो फिलहाल चुनाव चल रहे हैं। एक तिहाई चुनाव तो निपट भी गए हैं। साल के शुरू में लग रहा था कि चुनाव का दौर आते-आते एआई के झूठ की बाढ़ आ सकती है। अमित शाह का यह वीडियो बताता है कि वे आशंकाएं सही थीं। इसके साथ ही कुछ नेताओं और अभिनेताओं के एआई से तैयार फर्जी वीडियो पिछले कुछ दिनों से चर्चा में रहे हैं। मगर एक सच यह भी है कि अभी उतनी नहीं है, जितनी साल की शुरुआत में आशंका थी।

अभी भारत में जो आम चुनाव चल रहे हैं, उसकी तुलना कीजिए पिछले दो आम चुनावों या इस दौरान हुए विधानसभा व अन्य चुनावों से। इस दौरान सोशल मीडिया पर जितने प्रकार के, जितनी मात्रा में झूठ परोसे गए, उतने तो इस देश की राजनीति और समाज ने पहले कभी देखे तक नहीं थे। 2019 के चुनाव को तो सोशल मीडिया और वाट्सएप चुनाव भी कहा गया था। तब तक देश की एक बड़ी आबादी के हाथों में ऐसी तकनीक आ चुकी थी, जिससे पलक झपकते ही किसी बात या बतंगड़ को पूरे देश में फैलाया जा सकता था।

ब्रीफ न्यूज़

मतदाता जागरूकता के लिए बैंक वाहन को दिखाई हरी झंडी

धार। देश में इस समय लोकसभा चुनाव चल रहे हैं वहीं निर्वाचन आयोग भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए दिन-रात एक कर लोगो के बीच जाकर कार्यक्रम कर रहे है।इसके लिए पूरा प्रशासनिक अमला जुटा हुआ। इसके लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक धार द्वारा संचालित प्रचार वाहन को जिले में आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढाने, मतदाता जागरूकता एवं जनता को अधिक से अधिक मतदान कराने के लिये प्रेरित करने हेतु। संचालित किया जा रहा है इसको आज कलेक्टर कार्यालय से एडीएम व उपनिर्वाचन अधिकारी अश्विनी कुमार रावत, सुश्री वर्षा श्रीवास बैंक प्रशासक एवं उपायुक्त सहकारिता एवं के.के. रायकवार बैंक मुख्य कार्यपालन अधिकारी के द्वारा हरी झंडी दिखाकर प्रचार वाहन को धार जिले में रवाना किया गया। अभी निर्वाचन आयोग व प्रशासन द्वारा लगातार मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर अनेक तरह के आयोजन किया जा रहे हैं वहीं इसके लिए जिला सरकारी केंद्रीय बैंक द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए अपना चलित प्रसार वाहन गांव में लोगों को बैंक की जानकारी के साथ में ही लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूकता का सदेश देने का साथ मतदान करने के लिए प्रेरित करेगे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

खण्डवा। प्रदेश में होने वाले बाल विवाहों की रोकथाम के लिए शासन द्वारा खण्डवा जिले में बाल विवाह संबंधी सूचना प्राप्त करने हेतु जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग खण्डवा के कार्यालय में दूरभाष क्रमांक 0733-2223794 पर संपर्क करें। इसके अतिरिक्त श्री विक्रान्त दामले, प्रभारी अधिकारी जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मोबाईल नम्बर 8989137050 एवं श्रीमती नविता शिवहरे सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास विभाग खण्डवा के मोबाईल नम्बर 7692831995 एवं श्री तिकासिंह बिल्लोरे, बाल संरक्षण अधिकारी संस्थानिक आई.सी.पी.एस. के मोबाईल नम्बर 8435102121 पर भी संपर्क कर सकते हैं। बाल विवाहों की रोकथाम एवं उन पर की जाने वाली त्वरित कार्यवाही के लिए कलेक्टर जिला खण्डवा की ओर से अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समितियों का गठन प्रत्येक विकासखण्ड स्तर पर किया गया है।जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास ने बताया कि 10 मई 2024 एवं अन्य तारीखों में होने वाले विवाहों, निकाहों एवं सामूहिक विवाहों में बाल विवाह न हों, इस हेतु बाल विकास परियोजनाओं में परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता इस हेतु अपने क्षेत्रों अन्तर्गत घर-घर जाकर निगरानी करेंगे, ताकि कोई भी बाल विवाह हो ना सके, त्वरित दल के गठन, विशेष पुलिस दल का गठन तथा बाल विवाह पर होने वाली कार्यवाही के प्रचार-प्रसार संबंधी निर्देश जारी करते हुए बाल विवाह रोकने विषयक त्वरित कार्यवाही करने के लिए क्षेत्रीय अधिकारी कर्मचारियों को निर्देश जारी किये गये हैं।

समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत 20 दिवसीय ऑन द जॉब ट्रेनिंग का आयोजन

मोहन बड़ोदिया। एक्सीलेंस कंप्यूटर सेंटर मोहन बड़ोदिया में समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत 20 दिवसीय ऑन द जॉब ट्रेनिंग का आयोजन किया गया, बता दे शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय मोहन बड़ोदिया में संचालित व्यावसायिक कोर्स आईटी में कक्षा दसवीं के उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को जॉब हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, यह प्रशिक्षण छात्र-छात्राओं के लिए काफी महत्वपूर्ण है, विद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल पाटीदार ने बताया कि यह व्यवसाय कोर्स कक्षा नवी से प्रारंभ होते हैं, जिसमें छात्र-छात्राओं को पूरे वर्ष भर एक भाषा के स्थान पर व्यवसाय कोर्स की शिक्षा प्रदान की जाती है, विद्यालय में वर्तमान व्यवसायिक कोर्स के अंतर्गत आईटी विषय के लिए पवन पटेल द्वारा छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं, 20 दिवसीय प्रशिक्षण से निश्चित ही हमारे छात्र-छात्राओं को लाभ प्राप्त होगा । एक्सीलेंस कंप्यूटर सेंटर मोहन बड़ोदिया के संचालक सचिन पटेल के नेतृत्व में यह प्रशिक्षण 1 मई से प्रारंभ हुआ है जो की 20 मई तक संचालित होगा, इस प्रशिक्षण में छात्र-छात्राओं को कंप्यूटर से संबंधित सॉफ्टवेयर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग प्रशिक्षण दिया गया एवं विभिन्न प्रकार की तकनीक की शिक्षा प्रदान की जा रही है ।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद ने नेपानगर, बुरहानपुर और खंडवा में कार्यकर्ता सम्मेलन को किया संबोधित

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी कह रहे हैं कि चुनाव तो भाजपा ही जीत रही: विष्णुदत्त शर्मा

खंडवा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने बुधवार को बुरहानपुर जिले के नेपानगर, बुरहानपुर और खंडवा जिले के खंडवा में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि लोकसभा का यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। आज किसान सम्मान निधि और लाड़ली बहना जैसी योजनाओं की पूरी राशि हितग्राहियों के खातों में आती है, एक रुपया भी दलालों या बिचौलियों के पास नहीं जाता। देश में कहीं आतंकवादी घटनाएं नहीं होतीं और सारी दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। कांग्रेस को देश की जनता की संपत्ति पर डाका नहीं डालने दिया जाएगा। देश को आतंकवाद और भ्रष्टाचार से मुक्त तथा विकसित भारत बनाने के लिए नरेंद्र मोदी जी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना जरूरी है। खण्डवा में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवडा विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि मध्यप्रदेश में अब तो कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भी कह रहे हैं कि चुनाव तो भाजपा ही जीत रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने इंदौर से कांग्रेस के प्रत्याशी द्वारा नामांकन वापस लेने को लेकर कहा है कि वैसे भी भाजपा चुनाव जीत रही है। इसका मतलब पूरी तरह से स्पष्ट है कि कांग्रेस भी मान रही है कि यह लोकसभा चुनाव भाजपा ऐतिहासिक मतों से जीत रही है और नरेन्द्र मोदी जी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन रहे हैं।

हर तरफ एक ही आवाज, मोदी सरकार तीसरी बार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में विरासत टैक्स है, वहीं हमारे संकल्प-पत्र में गरीबों का कल्याण, देश का विकास, गरीब, युवा, किसान और महिलाओं के सशक्तिकरण का पूरा खाका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति देशभर के लोगों में अटूट विश्वास है। इस बार तो हैदराबाद में भी कमल खिलने जा रहा है। अब चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ तीन दिन का समय बचा है, ऐसे में हर बूथ पर कमल खिलाने का संकल्प लेकर सभी कार्यकर्ता प्राण-पण से पार्टी कार्य में जुट जाएं। प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि इन दिनों जहां भी जाओ, पूर्व-पश्चिम, उत्तर और दक्षिण हर दिशा में एक ही आवाज सुनाई दे रही है। वह आवाज है कि श्री नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनना है। इसकी वजह यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार बिना किसी भेदभाव के हर गरीब का जीवन बदलने का काम कर रही है, हर गरीब के चेहरे पर खुशियां ला रही है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास उन लोगों को भी मिल रहे हैं, जो भाजपा को वोट नहीं देते। मोदी जी ने उज्जवला योजना में 13 करोड़ माता-बहनों को मुफ्त गैस कनेक्शन देकर धुएं से मुक्ति दिलाई और इनमें वो बहनें भी शामिल हैं, जो भाजपा को वोट नहीं देतीं। मध्यप्रदेश में 3.62 करोड़ आयुष्मान कार्ड बने हैं और पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज उन परिवारों को भी मिल रहा है, जो भाजपा को वोट नहीं देते। श्री शर्मा ने कहा कि दुनिया के कई मुस्लिम देशों में भी तीन तलाक की प्रथा नहीं थी, लेकिन हमारे देश में तुष्टीकरण के चलते इसे बनाए रखा गया। मोदी जी ने ट्रिपल तलाक हटाकर मुस्लिम बहनों के जीवन को भी खुशियों से भरने का काम किया।

देश को तोड़ने और बदनाम करने वाली ताकतों से सावधान रहें

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि इस चुनाव में ऐसी ताकतें भी सक्रिय हैं, जो देश को तोड़ना चाहती हैं, बदनाम करना चाहती हैं, तुष्टिकरण की राजनीति करना चाहती हैं। कांग्रेस के सैम पित्रोदा कहते हैं कि व्यक्ति अगर इस रंग का है, तो वो फलां देश से आया है। उनके हिसाब से सब बाहर से आए हैं, भारत का कोई है ही नहीं। दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी विरासत टैक्स की बात कर रही है। वो हमारे पुरखों की उस संपत्ति पर डाका डालना चाहती हैं, जिसे वो अपने नाती-पोतों के लिए छोड़कर जाते हैं। कांग्रेस अंग्रेजों की मानसिकता को भारत में ला रही है और कह रही है कि पुरखों की संपत्ति, दादी-नानी के गहनों में से सिर्फ 25 प्रतिशत आपका, बाकी सरकार का। क्या हमारी माता-बहनें अपने गहनों पर डाका डालने देंगी?

एससी, एसटी का आरक्षण कम कर उनके अधिकारों पर डाका डालना चाहती है कांग्रेस

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि आप सभी कार्यकर्ताओं के क्षेत्र में जिन लोगों को पक्के आवास नहीं बने हैं, उन्हें बताएं कि आगामी 5 वर्ष में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पीएम आवास के तहत तीन करोड़ आवास और बनाए जाएंगे। प्रधानमंत्री जी ने गरीबों को 5 लाख का निःशुल्क इलाक के लिए आयुष्मान योजना चला रहे थे, अब 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को भी 5 लाख तक के निःशुल्क इलाज की गारंटी दी है। कांग्रेस मुस्लिमों को ओबीसी वर्ग में शामिल उन्हें आरक्षण देने की तैयारी में है। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करते हुए मुस्लिमों को आरक्षण देकर एससी, एसटी का आरक्षण कम करके उनके अधिकारों पर डाका डालना चाहती है। भाजपा कार्यकताओं की मेहनत की वजह से तीसरे चरण के संपन्न हुए चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ा है। चौथे चरण में भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भाजपा कार्यकर्ता कार्य करें। आप सभी कार्यकर्ता अधिक से अधिक मतदाताओं को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रति जनता का इतना विश्वास है कि जो भी मतदाता मतदान करने जाएगा, वह श्री नरेन्द्र मोदीजी को ही प्रधानमंत्री बनाने के लिए वोट करेंगा। इसलिए सभी कार्यकर्ता अधिकतम मतदान का लक्ष्य लेकर कार्य करें।

विधानसभा चुनाव में लोस की 8 में से 3 सीट भाजपा के पास तो 5 सीटें कांग्रेस के पास

कांग्रेस का आदिवासी विधानसभा सीटों पर फोकस भाजपा को धार, बदनावर, महू से उम्मीद

धार। जैसे-जैसे मतदान करने का दिन करीब आ रहे हैं वैसे ही प्रत्याशियों के दिल की धड़कनें भी तेज होती जा रही है। अभी प्रत्याशी एक दूसरे पर आरोप - प्रतिआरोप के साथ दिन-रात एक कर गांव व शहर में जनसंपर्क करने में लगे हुए हैं। धार लोकसभा की बात की जाए तो धार लोकसभा किसी भी पार्टी के लिए इतनी आसान नहीं है। जितनी पार्टियां सोच रही है इस सीट पर कांग्रेस पांच विधानसभा सीट जीतकर भाजपा से आगे है तो वहीं भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एवं राम मंदिर के मुद्दे के साथ पार्टी व सगठन दिन रात महेनत कर रहे है। वही सावित्री के पक्ष में मोदी की सभा भी करवा थी वही। सीएम व राज्यसभा सांसद से लगाकर कही केंद्रीय मंत्री व केबिनेट मंत्री जिले में एक रात एक कर सावित्री के लिए वोट मांग रहे है। अगर धार लोकसभा की सीटों पर वोटो के गणित से अनुमान लगाया जाए। तो कांग्रेस बीजेपी से आगे है। वही कांग्रेस के जनसपंर्क व प्रसार के लिए उमंग सिंघार व स्थानीय नेताव विधायक के साथ किसी बड़े नेता का क्षेत्र मे बड़ी सभा या जनसंपर्क चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस के राधेश्याम मुवेल नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को अपना सारथी बनाकर दिन रात मतदाओं के बीच जा रहे है। जनता के बीच बेरोजगारी पलायन के साथ जिले में आदिवासी इलाकों में बड़े उद्योगों का ना होना आदिवासी समाज के युवाओं को बता रहे है। इस समय मई माह की तपती गर्मी से ज्यादा चुनावी गर्मी ज्यादा तपन मार रही है देश की कई लोकसभा सीटों पर मतदान हो चुका है । 13 मई को भी धार लोकसभा सीट में मतदान होना है कांग्रेस और भाजपा इस क्षेत्र को जीतने के लिए अपनी एड़ी चोटी का जोर लगा रही है।

धार, महू और बदनावर से भाजपा को उम्मीद

देश की इस वक्त की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी को धार लोकसभा चुनाव में चुनाव जीतने के लिए काफी मशक्कत करना पड़ेगी, भाजपा को धार जिले की ही बदनावर एवं धार विधानसभा सीट के अलावा इंदौर जिले की महू विधानसभा सीट पर बढ़त मिलने की पूरी उम्मीद नजर आ रही है क्योंकि धार से पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा बरसों से धार विधानसभा की राजनीति कर रहे हैं जिनके जिम्मे सावित्री का रथ है तो वहीं बदनावर क्षेत्र से भाजपा के पूर्व मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव व जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी की साख दांव पर लगी हुई है वहीं महू विधानसभा सीट से पूर्व मंत्री उषा ठाकुर के अलावा कांग्रेस से भाजपा में गए पूर्व विधायक अंतर सिंह दरबार भी अपने एडी चोटी का जोर लगाकर भाजपा को बढ़त दिलाने की कोशिश कर रहे हैं इधर कांग्रेस की अगर बात की जाए तो जिले की पांच आदिवासी बाहुल्य सीटों पर कांग्रेस का कब्जा है और इसी हौसले को कांग्रेस आगे बढ़ना चाहती है कांग्रेस को इन पांचो विधानसभा सीटों पर अच्छी बढ़त मिलने की उम्मीद है अगर भाजपा को इन आदिवासी बाहुल्य सीटों पर ज्यादा समर्थन नहीं मिला तो हकीकत में यह चुनाव काफी रोचक हो जाएगा।

पड़ाना के पांचो मतदान केंद्र में 81 फीसद रहा मतदान

मतदान में पड़ानावासियों ने लिया बढचढकर हिस्सा

पड़ाना। मंगलवार सुबह से ही मतदान को लेकर मतदाताओं अपार उत्साह नजर आया। पड़ाना मतदान केंद्र 130 संवेदनशील क्षेत्र में आता है जिसमें सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में मतदाताओं के द्वारा मतदान किया गया और शांतिपूर्वक रुप से सबसे अधिक मतदान इसी केंद्र पर रिकार्ड हुआ। पांचों मतदान केंद्र पर इस बार के लोकसभा चुनाव में सुबह 7 से लेकर शाम 6:00 बजे के बाद तक शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्ना हुआ, जिसमें मतदान केंद्र क्रमांक 130, मतदान केंद्र क्रमांक 131, मतदान केंद्र क्रमांक 132, मतदान केंद्र क्रमांक 133 एवं मतदान केंद्र क्रमांक 134 सहित पड़ाना के पांचो मतदान केंद्रों में लोकसभा चुनाव के दौरान 5087 मतदाताओं में से 4125 कुल मत डाले गए और मतदान प्रतिशत 81 फीसदी रहा। सुरक्षा की दृष्टि से सेक्टर अधिकारी एवं पीडब्ल्यूडी एसडीओ दीपक कुमार, थाना प्रभारी एसएस वाद्येला, एसआई रामेश्वर शर्मा ने अमले के साथ सतत निरीक्षण किया और शांतिपूर्वक ढंग से चुनाव संपन्न कराया।

बोले जिम्मेदार

सारंगपुर विस क्षेत्र में हमारे सेक्टर के पड़ाना स्थित बूथ क्रमांक 130 से 134 तक भी शांतिपूर्वक मतदान संपन्न हुआ है। सभी मतदाताओं ने बढ़चढकर मतदान में हिस्सा लेकर जागरुकता का परिचय दिया है।- **दीपक कुमार, सेक्टर अधिकारी, विस, सारंगपुर।**

10 मई तक चलेगा मेला, जिले के नागरिक मेले का उठाएं लाभ

शिक्षक एवं छात्र गतिविधियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है पुस्तक मेला: कलेक्टर गुप्ता

देवास । मध्यप्रदेश शासन के निदेर्शानुसार नवीन शैक्षणिक सत्र 2024- 25 के प्रारंभ में सभी शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों हेतु अभिभावकों द्वारा क्रय किये जाने वाली पाठ्य पुस्तकें, यूनिफार्म, कापियां, स्टेशनरी आदि उचित मूल्य पर सुलभ रूप से उपलब्ध करवाएं जाने की दृष्टि से दिनांक 8 से 10 मई तक तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन उत्कृष्ट विद्यालय देवास सिविल लाइन चौराहा में किया जा रहा है। पुस्तक मेले के प्रथम दिवस मेले का शुभारंभ कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने किया। तीन दिवसीय पुस्तक मेला प्रतिदिन शाम 4 से 7 बजे तक स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय देवास में संपन्न होगा। मेले का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए एवं फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ हिमांशु प्रजापति, जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती, सहायक संचालक शिवनंदन प्रजापति, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य सुधीर सोमनी, डीपीसी प्रदीप जैन सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे। देवास में प्रथम पुस्तक मेले का आयोजन के दौरान कलेक्टर श्री गुप्ता ने कहा कि पुस्तक मेला शिक्षक एवं छात्र गतिविधियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण है। पुस्तक मेले जहां विद्यार्थियों को सुविधापूर्वक किताबें, यूनिफॉर्म व अन्य स्कूल की सामग्री उचित मूल्य पर मिलेगा। वहीं किताबें, युनिफॉर्म एवं अन्य सामग्रियों के लिए इधर-उधर नहीं भटकना पड़ेगा। सभी वस्तुएं एक ही स्थान पर मिल रही हैं। इस मेले में देवास के समस्त प्रमुख पुस्तक विक्रेता स्टेशनरी विक्रेता गणवेश विक्रेता अपनी सामग्री के साथ उपस्थित होकर उचित मूल्य आधार पर सामग्री का विक्रय करने हेतु उपलब्ध रहेंगे। मेले के दौरान मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सेन थॉम एकेडमी देवास के छात्र-छात्राओं द्वारा लघु नाटिका एवं मतदाता जागरूकता गीत प्रस्तुत करते हुए मेले में उपस्थित पालकों एवं शिक्षक, शिक्षिकाओं, अधिकारियों को शत प्रतिशत मतदान किए जाने हेतु प्रोत्साहित किया। अतिथियों का स्वागत जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती, सहायक संचालक शिवनंदन प्रजापति, उत्कृष्ट विद्यालय प्राचार्य सुधीर सोमनी ने किया। पुस्तक मेले संबंधी जानकारी व रूपरेखा डीपीसी देवास प्रदीप जैन ने प्रस्तुत की। पुस्तक मेले में देवास नगर के प्रमुख 12 पुस्तक विक्रेता एवं 4 युनिफार्म विक्रेताओं ने अपने स्टॉल लगाए हैं। कार्यक्रम में देवास विकासखंड स्त्रोत समन्वय किशोर वर्मा, जनशिक्षक सहज सरकार, संकुल प्राचार्य रुचि व्यास, जनशिक्षक करण चौधरी, राजकुमार पटेल, दिनेश परमार, आतिश कनासिया, विक्रम मालवीय, इंदर सिंह बेसवाल, अविनाश तिवारी अपना ड्रेसेस, आयुष अग्रवाल, ओम योगी हिना कलेक्शन, विद्या श्री स्टेशनरी, संघवी स्टोर, जाधव ओल्ड बुक सेंटर, मां शारदा स्टेशनरी आदि विक्रेताओं, पालक गण, शिक्षकों की उपस्तिथ थे। मेला शुभारंभ कार्यक्रम का संचालन पंकज वर्मा ने किया सभी के प्रति आभार सहायक संचालक शिवनंदन प्रजापति द्वारा माना गया।

तीसरे चरण में उप्र में सबसे कम हुआ मतदान, केवल 57.34 प्रतिशत वोटिंग हुई

बिहार से भी पीछे रहा देश का सबसे ज्यादा लोकसभा सीटों वाला यूपी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए मंगलवार को हुई वोटिंग में देश का सबसे ज्यादा सीटों वाला यूपी सबसे पीछे रह गया है। यूपी में बिहार से भी कम मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के अनुसार मंगलवार देर रात तक मिली जानकारी के अनुसार देश के 11 राज्यों में कुल 64.4 प्रतिशत वोटिंग हुई। यूपी इन 11 राज्यों में सबसे पीछे रहा। यहां केवल 57.34 प्रतिशत लोगों ने मतदान किया है। यूपी के पड़ोसी राज्य बिहार में भी यूपी से ज्यादा 58.18 प्रतिशत लोगों ने वोटिंग की है। सबसे ज्यादा वोटिंग असम में 81.61 प्रतिशत हुई है।

चुनाव आयोग के अनुसार देश के 11 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में आम चुनाव के तीसरे चरण के मतदान में रात 11:40 बजे तक लगभग 64.4 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। आयोग ने बताया कि जैसे-जैसे मतदान दल लौटते रहेंगे, उनके द्वारा मिली जानकारी वीटीआर ऐप पर पीसी वार (संबंधित एसी सेगमेंट के साथ) उपलब्ध कराई जाएगी। यूपी में तीसरे चरण में दस लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। पिछली बार का आंकड़ा भी यूपी नहीं छू सका है। पिछली बार 60.52 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। इस बार केवल 57.34 फीसदी हुई है। इस बार सबसे अधिक 62.81 प्रतिशत वोट सम्भल सीट पर पड़े जबकि सबसे कम 53.99 प्रतिशत मतदान आगरा सु.सीट पर हुआ। इन 10 सीटों पर इस बार प्रमुख प्रत्याशियों में प्रदेश सरकार के दो मंत्री और सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव भी हैं। प्रदेश सरकार के दो मंत्रियों में हाथरस सु. सीट से राजस्व राज्य मंत्री अनूप प्रधान वाल्मीकि और मैनपुरी से पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह हैं, जबकि डिम्पल यादव मैनपुरी से सपा की उम्मीदवार हैं।

भाजपा ने 10 सीटों में से चार पर मौजूदा सांसदों को ही बनाया उम्मीदवार

इनके अलावा सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव फिरोजाबाद से सपा के प्रत्याशी हैं। सम्भल सीट से सपा के पूर्व सांसद और वरिष्ठ नेता शफीकुर्रहमान बर्क के पौत्र जियाउर्रहमान बर्क बतौर सपा उम्मीदवार मैदान में उतरे हैं। सपा के ही वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव के पुत्र आदित्य यादव बदायूं से उम्मीदवार हैं। सत्तारूढ़ भाजपा ने इन 10 सीटों में से चार पर अपने मौजूदा सांसदों को ही उम्मीदवार बनाया है। इनमें आगरा सु. से एसपी. सिंह बघेल, फतेहपुर सीकरी से राजकुमार चाहर, एटा से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह और आंवला से धर्मेन्द्र कश्यप शामिल हैं। वर्ष 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में इन 10 सीटों के नतीजों पर गौर करें तो सम्भल और मैनपुरी सपा ने जीती थीं बाकी आठ सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार विजयी हुए थे।

फर्जी रिव्यू से निपटने के लिए ई-कॉमर्स कंपनियों को निर्धारित जरूरतों के स्व-अनुपालन की घोषणा करने के दिए निर्देश

अब ग्राहकों को झांसा नहीं दे सकेंगी कंपनियां

नई दिल्ली। देश में ऑनलाइन शॉपिंग करने का चलन तेजी से बढ़ रहा है। इस बीच ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी के मामले भी सामने आ रहे हैं। अकसर लोग वेबसाइट पर उपलब्ध फर्जी रिव्यूज पर भरोसा करके लोग सामान खरीद लेते हैं। फिर वह सामान खराब निकल जाता है। इससे ग्राहकों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

अब इस तरह के स्कैम से ग्राहकों को बचाने के लिए भारत सरकार जल्द ही बड़ा फैसला लेने जा रही है। सरकार ने इन फर्जी रिव्यू पर लगाम लगाने के लिए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश पर परामर्श को लेकर ई-कॉमर्स कंपनियों और ऑनलाइन समीक्षाओं से जुड़े संगठनों की बैठक बुलाई। मंत्रालय ने ऑनलाइन उपभोक्ता समीक्षा (क्वॉलिटी कंट्रोल) आदेश, 2024 का एक ड्राफ्ट भी जारी किया है। इसमें प्रोडक्ट के वैरिफाइड खरीदारों और उपयोगकताओं से ही समीक्षा स्वीकार करने का प्रस्ताव किया गया है।

नोटिस के अनुसार, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत ग्राहकों और विक्रेताओं को जोड़ने वाली ई-कॉमर्स कंपनियों और समीक्षा से जुड़े संगठनों को निर्धारित जरूरतों के स्व-अनुपालन की घोषणा करने करने को कहा गया है। गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के ड्राफ्ट में बताया गया है कि संगठन उन रिव्यू को पब्लिश नहीं करेंगे, जो खुद या सप्लायर, विक्रेता या किसी थर्ड पार्टी से खरीदी या लिखवाई गई हो।

अमेरिका का साथ नहीं मिलने पर इजरायल को भुगतना पड़ सकता है नतीजा

अमेरिका ने रोकी हथियारों की सप्लाई राफा पर अटैक कर फंसे नेतन्याहू

तेल अवीव। दक्षिणी गाजा के राफा शहर में इजरायली सेना ने आक्रमण शुरू कर दिया है। एक दिन पहले इजरायल की एक टैंक ब्रिगेड ने मंगलवार को गाजा की महत्वपूर्ण राफा सीमा पर नियंत्रण हासिल कर लिया था। अपने करीबी सहयोगियों की चेतावनियों को नजरअंदाज करते हुए इजरायल दक्षिणी शहर में घुस गया। अब इजरायल को इसका नतीजा भुगतना पड़ सकता है। दरअसल इजरायल का सबसे करीबी दोस्त अमेरिका भी अपने हाथ पीछे खींच रहा है।

अमेरिका ने इजरायल को पहले ही चेतावनी दी थी कि वह राफा पर हमला न करे। लेकिन इजरायल ने उसकी नहीं सुनी। अब अमेरिका ने इजरायल को भेजी जाने वाली बम की खेप रोक दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नाम उजागर नहीं करने की

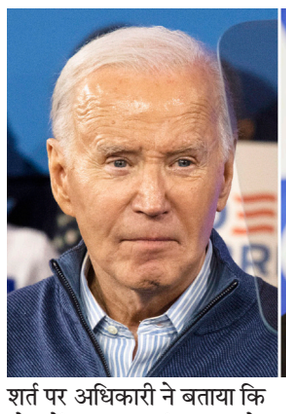

शर्त पर अधिकारी ने बताया कि खेप में 2000 पाउंड वजन के 1800 बम और 500 पाउंड वजनी 1700 बम भेजे जाने थे। अधिकारी ने बताया कि अमेरिका ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि इतनी बड़ी मात्रा में विस्फोटकों का इस्तेमाल घनी आबादी वाले क्षेत्र में कैसे किया जा सकता है। चरमपंथी हमास द्वारा पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल पर घातक हमला किये जाने के जवाब में इजराइल ने गाजा पट्टी पर आक्रमण शुरू कर दिया था, जिसके बाद से 10 लाख से अधिक नागरिकों ने रफह में शरण ली हुई है। व्हाइट हाउस की ओर से कई महीने तक आपत्ति दर्ज कराए जाने के बावजूद इजरायली सरकार राफा पर आक्रमण की तैयार करती रही, जिसके बाद अप्रैल में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने इजरायल को भविष्य में सैन्य सहायता भेजने की समीक्षा शुरू कर दी।

खतरनाक जेडीएएम की सप्लाई भी रोकी

अधिकारी ने बताया कि बम की खेप रोकने का निर्णय पिछले सप्ताह लिया गया और खेप निकट भविष्य में इजरायल को भेजी जाएगी या नहीं, इस पर निर्णय नहीं लिया गया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने बताया कि इजरायल को भेजी जाने वाली हथियारों की खेप में बोइंग-निर्मित ज्वाइंट डायरेक्ट अटैक म्यूनिशन (जेडीएएम) भी शामिल हैं। ज्वाइंट डायरेक्ट अटैक म्यूनिशन एक गाइडेंस टेल किट है।

शीर्ष अदालत से मिली इजाजत, पूछा- आखिर ऐसा कैसे हो सकता है?

पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले की जांच जारी रखेगी सीबीआई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में अपनी जांच जारी रखने की अनुमति दी है। शीर्ष अदालत ने कहा कि सीबीआई इस मामले में किसी भी अधिकारी या उम्मीदवार के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार से भी तीखे सवाल पूछे हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल सरकार ने 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द करने के आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ ने इस मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार से पूछा कि जब भर्ती प्रक्रिया पर पहले से सवाल उठ रहे थे तो नई नियुक्तियां क्यों की गईं?

अदालत में वकील नीरज कौशल कौल ने पश्चिम बंगाल सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि शिक्षकों और छात्रों के अनुपात को देखकर ही भर्तियां की गईं थीं। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने भी 25 हजार शिक्षकों की नियुक्ति को अवैध नहीं कहा है। राज्य सरकार के दूसरे वकील जयदीप गुप्ता ने हाईकोर्ट के फैसले को गलत करार देते हुए कहा कि यह शीर्ष अदालत के ही फैसले के विपरीत है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की नियुक्ति को रद्द करने का फैसला हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र से बाहर है। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश ने सवाल पूछा कि शिक्षक भर्ती से जुड़ी कॉपियां क्यों खत्म की गईं? जिसके जवाब में वकील ने कहा कि कॉपियां अब नहीं मिल सकती। सुप्रीम कोर्ट ने फिर पूछा का आखिर ऐसा कैसे हो सकता है?

ऐसे तो लोग भरोसा खो देंगे- सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो लोग अपना भरोसा खो देंगे। बता दें कि शीर्ष अदालत ने कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुनवाई सोमवार को स्थगित कर दी थी, इनमें बंगाल सरकार की याचिका भी शामिल है।

नेपाल में सत्तासीन गठबंधन में फूट, कई सांसदों ने नई पार्टी बनाने का दिया आवेदन

नई दिल्ली। नेपाल में सत्ताधारी गठबंधन पार्टी में फूट पड़ गई है। चुनाव आयोग में नई पार्टी के लिए आवेदन भी आए हैं। सत्ताधारी पार्टी से कई सांसदों, केंद्रीय समिति सदस्यों ने अपने को पार्टी से अलग कर लिया है।

नेपाल में प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल की गठबंधन पार्टियों में से एक जनता समाजवादी पार्टी-नेपाल (जेएसपी-एन) के कई सांसद, विधायक और कई केंद्रीय समिति सदस्य अलग हो गए हैं। अलग होने के बाद इन्होंने चुनाव आयोग में नई पार्टी बनाने के लिए आवेदन किया है। पार्टी के संघीय परिषद के अध्यक्ष अशोक राय के नेतृत्व में जेएसपी-एन ने एक नई पार्टी के लिए आवेदन दर्ज किया है। यह स्थिति तब बनी है जब पार्टी के अध्यक्ष उपप्रधानमंत्री उपेंद्र यादव, विदेश यात्रा पर हैं।

वहीं जेएसपी-एन विधायक प्रदीप यादव ने बताया कि 29 केंद्रीय समिति के सदस्यों और सात सांसदों ने संयुक्त रूप से एक नई पार्टी बनाने के लिए आवेदन किया है। पार्टी के 12 प्रतिनिधि सभा सदस्यों में से सात- राय, सुशीला शेरस्थ, प्रदीप यादव, नवल किशोर साह, रंजू कुमारी झा, बीरेंद्र महतो और हसीना खान ने ह्यजनता समाजवादी पार्टी (नेपाल के बिना) नामक नई

पार्टी का समर्थन किया है। चुनाव आयोग ने सोमवार को अशोक राय के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) को आधिकारिक तौर पर एक नए राजनीतिक दल के रूप में मान्यता भी दे दी। सूत्रों ने बताया कि राय ने प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने के प्रयास में हैं। इसके लिए विपक्षी नेपाली कांग्रेस और माधव कुमार नेपाल के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ दल गठबंधन सीपीएन-यूनिफाइड सोशलिस्ट एक साथ आ गए हैं। केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन-यूएमएल और सीपीएन (माओवादी सेंटर) वाला सत्तारूढ़ गठबंधन नवीनतम राजनीतिक घटनाक्रम के साथ संसद में एक संकीर्ण बहुमत बनाए रखने में कामयाब रहा है। राय के नेतृत्व वाले गुट के नेताओं ने दावा किया कि उन्हें पार्टी नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह करना पड़ा क्योंकि यादव निरंकुश तरीके से पार्टी चला रहे थे।

यादव का मुकाबला करने के लिए प्रधानमंत्री प्रचंड की सलाह पर नई पार्टी पंजीकृत करवाई है।

प्रधानमंत्री प्रचंड के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने के प्रयास

नेपाल कांग्रेस (नेकां) अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा ने प्रधानमंत्री

भारत और सिंगापुर की नौसेना के बीच जल्द शुरू होगा समुद्री अभ्यास

नई दिल्ली। भारतीय नौ सेना और सिंगापुर नौ सेना संचालन क्षमता को बढ़ाने के लिए संयुक्त समुद्री अभ्यास करेंगी ताकि परिचालन को बेहतर समझा जा सके। चांगी नौसेना बेस पर आयोजित आईएनएस शक्ति पर फ्लैग आफिसर कमांडिंग ईस्टर्न फ्लीट रीड एडमिरल राजेश धनखड़ ने यह बात कही।

कार्यक्रम में सिंगापुर के लगभग 150 लोग, राजनयिक मिशन के प्रमुखऔर भारतीय प्रवासी आदि मौजूद रहे। इस अवसर पर राजेश धनखड़ ने कहा कि भारत और सिंगापुर की नौसेनाएं भारत-सिंगापुर के 31वें संस्करण को आयोजन करने की तैयारी कर रही हैं। समुद्री द्विपक्षीय अभ्यास इसी साल विशाखापत्तनम में आयोजित किया जाएगा। सिंगापुर नौसेना के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में आईएनएस का नेतृत्व कर रहे धनखड़ ने कहा कि हम एसआईएमबीईएक्स के 31वें

संस्करण का आयोजन करेंगे। विशाखापत्तनम में इस वर्ष की चौथी तिमाही में आयोजित होगा। धनखड़ ने कहा कि हम अपनी परिचालन क्षमता और परिचालन को समझने और बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

झारखंड में ईडी की छापेमारी 1.5 करोड़ बरामद

नई दिल्ली। झारखंड में ईडी की छापेमारी और भारी मात्रा में नकद मिलने का सिलसिला जारी है। सोमवार के तलाशी अभियान के बाद मंगलवार को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में पांच स्थानों पर छापेमारी की। इससे पहले सोमवार को इसी मामले में छापेमारी के दौरान करीब 35 करोड़ रुपये नकद बरामद किया गया था। मंगलवार को छापेमारी के दूसरे दिन राजीव कुमार सिंह नामक एक ठेकेदार के यहां से ईडी ने करीब 1.5 करोड़ रुपये जब्त किए। जांच एजेंसी के अनुसार उसके (राजीव कुमार सिंह) जरिए करीब 10 करोड़ रुपये का लेन-देन किया गया। जांच एजेंसी ने वीरेंद्र राम केस मामले में छह मई को रांची में कई ठिकानों पर छापेमारी शुरू की थी। ईडी ने झारखंड के ग्रामीण विकास विकास के मुख्य अभियंता वीरेंद्र कुमार राम को धनशोधन के आरोप में फरवरी 2023 में गिरफ्तार किया था। यह मामला योजनाओं के क्रियान्वयन में गड़बड़ी से जुड़ा है।

यौन उत्पीड़न | **महंगी चीजों का लालच देकर दूसरे छात्र से बना लिए थे संबंध**

टीचर ने 15 वर्षीय छात्र से बनाए संबंध, केस चलने के दौरान ही दूसरे से हो गई प्रेग्नेंट

लंदन। स्कूली बच्चों को मैथ्स पढ़ाने वाली एक टीचर पर 15 साल के बच्चे का यौन उत्पीड़न का केस चल रहा था। इस बीच वह अपने ही एक और छात्र से प्रेग्नेंट हो गई। यह मामला लंदन का है, जहां अदालत में एक नाबालिग छात्र के साथ सेक्स को लेकर टीचर पर केस चल ही रहा था कि वह दूसरे स्टूडेंट से प्रेग्नेंट हो गई। इस बात की जानकारी अदालत की सुनवाई के दौरान वकालत ने दी। महिला टीचर 15 साल के छात्र को कार से अपने अपार्टमेंट ले गई थी और फिर उसके साथ संबंध बनाए थे। रेबेक्का जॉयन्स पर इस मामले में केस चल रहा था और उन्हें जेल भेजा गया था। वह बेल पर बाहर निकली तो एक और छात्र से संबंध बना लिए।

आरोप है कि टीचर ने छात्र को कुछ महंगी चीजें दिलाकर फुसलाया था और फिर उससे दो बार संबंध बना लिए थे। इस मामले में रेबेक्का को जेल हुई, लेकिन उसे बेल पर रिहा कर दिया गया था। इसी दौरान वह एक और छात्र के संपर्क में आई और उससे भी संबंध बना लिए। फिलहाल वह उसी से प्रेग्नेंट है। यह तब हुआ, जबकि रेबेक्का की बेल की शर्त में यह शामिल था कि वह अपनी नौकरी से निलंबित रहेगी। इसके अलावा 18 साल से कम आयु के किसी बच्चे से संपर्क नहीं करेगी।

अदालत में पीड़ित लड़के का पक्ष रखने वाले वकील जोए ऑलमैन ने कहा कि उसके खिलाफ एक किशोर से यौन उत्पीड़न का केस चल रहा

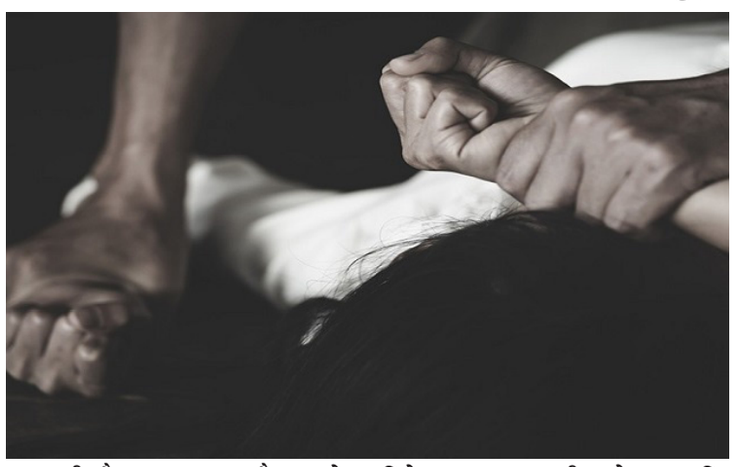

था। इसी दौरान वह एक और लड़के के संपर्क में आई और लंबे समय तक रिलेशन चला। वकील ने कहा कि दूसरे लड़के के साथ महिला टीचर ने करीब 30 बार संबंध बनाए। अब वह उसके बच्चे की मां बनने वाली है। यह उस दूसरे छात्र के लिए भी हैरान करने वाला है। ऐसा इसलिए क्योंकि उसने उससे कहा था कि वह गर्भवती नहीं हो सकती।

गौरतलब है कि इस मामले में जब पीड़ित लड़के ने पुलिस से शिकायत की तो टीचर ने इनकार कर दिया था। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच हुई तो दिखा कि वह कार से दो बार उसे लेकर आई थी। दोनों के बीच दो बार शारीरिक संबंध बने थे। रेबेक्का ने यह भी माना कि छात्र के साथ यौन संबंध बनाने के लिए ही उसने एक महंगे ब्रांड की बेल्ट दिलाई थी।

तीन साल में 9 लाख करोड़ घटी, 2020-21 के बाद से आ रही गिरावट

परिवारों की बचत पांच साल में सबसे कम

नई दिल्ली। देश में परिवारों की शुद्ध बचत (घरेलू बचत) पिछले तीन वर्षों में 9 लाख करोड़ रुपये से अधिक घटकर 2022-23 में 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गई है। यह 2017-18 के बाद परिवारों की शुद्ध बचत का पांच साल का निचला स्तर है। उस दौरान शुद्ध घरेलू बचत 13.05 लाख करोड़ रुपये रही थी।

सांख्यिकी व कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2020-21 में शुद्ध घरेलू बचत अपने शीर्ष पर पहुंच गई थी। उस दौरान परिवारों ने शुद्ध रूप से 23.29 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। इस अवधि के बाद से परिवारों की शुद्ध बचत लगातार घट रही है। मंत्रालय ने अपने ताजा आंकड़ों में कहा है कि वित्त वर्ष 2018-19 में परिवारों ने शुद्ध रूप से 14.92 लाख करोड़ रुपये की बचत की थी। वित्त वर्ष 2018-19 में यह आंकड़ा बढ़कर 15.49 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। 2020-21 में अपने शीर्ष पर पहुंचने के बाद 2021-22 में परिवारों की शुद्ध बचत फिर घटकर 17.12 लाख करोड़ रुपये रह गई।

जीडीपी की तुलना में...बचत 5 दशक के न्यूनतम स्तर पर

जीडीपी की तुलना में घरेलू बचत वित्त वर्ष 2022-23 में पांच दशक के निचले स्तर 5.3 फीसदी पर आ गई है। कोरोना काल को छोड़कर 2012 से 2022 के बीच यह 7-8 फीसदी थी। विश्लेषकों की मानें तो बहुत अधिक खपत/खर्च का लाभ उठाया जाता है। इससे कुछ वर्गों में मांग में वृद्धि हुई है।

म्यूचुअल फंड : निवेश तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये

आंकड़ों के मुताबिक, 2022-23 में म्यूचुअल फंड में निवेश करीब तीन गुना होकर 1.79 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2020-21 में यह सिर्फ 64,080 करोड़ रुपये था।

वित्तीय देनदारी : 73 फीसदी बढ़ी, बैंक कर्ज 11.88 लाख करोड़

परिवारों पर वित्तीय देनदारी 2022-23 में 73 फीसदी बढ़कर 15.6 लाख करोड़ पहुंच गई। 2021-22 में यह आंकड़ा 9 लाख करोड़ था। इस अवधि में परिवारों की वित्तीय बचत 26.1 लाख करोड़ से 14 फीसदी बढ़कर 29.7 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई। परिवारों पर वित्तीय संस्थानों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों का कर्ज भी तीन वर्षों में चार गुना बढ़ा है। 2022-23 में यह बढ़कर 3.33 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। 2021-22 में यह 1.92 लाख करोड़ और 2020-21 में 93,723 करोड़ रुपये था। बैंक कर्ज भी तीन वर्षों में दोगुना होकर 2022-23 में 11.88 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2020-21 में यह 6.05 लाख करोड़ था।

भारत-चीन समेत सात देशों के लोगों को मुफ्त टूरिस्ट वीजा मिलता रहेगा

नई दिल्ली। श्रीलंका सरकार ने भारत समेत छह देशों के यात्रियों को मुफ्त टूरिस्ट (पर्यटक) वीजा देना जारी रखने का एलान किया है। श्रीलंका सरकार ने कहा है कि वह भारत, चीन, रूस, जापान, मलयेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया के यात्रियों को पर्यटक वीजा मुफ्त में देता रहेगा। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा, ह्लविदेशी पर्यटकों को 30 दिन का वीजा देने के लिए 50 अमेरिकी डॉलर का वर्तमान शुल्क जारी रहेगा। इसके साथ ही भारत, चीन, रूस, जापान, मलयेशिया, थाईलैंड और इंडोनेशिया के यात्रियों को वर्तमान की तरह मुफ्त में टूरिस्ट वीजा मुहैया कराया जाएगा।

आईडीबीआई बैंक को 2.97 करोड़ रुपए का जीएसटी नोटिस

नई दिल्ली । आईडीबीआई बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसे कथित तौर पर अधिक टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ लेने के लिए ब्याज और जुमार्ने सहित 2.97 करोड़ रुपये की जीएसटी मांग का नोटिस मिला है। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि देहरादून राज्य कर विभाग ने आईटीसी कथित अतिरिक्त लाभ और उपयोग के लिए वित्तीय वर्ष 2018-19 से संबंधित माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के नियमों के तहत एक आदेश जारी किया है। आईडीबीआई बैंक को 1.42 करोड़ रुपये की मांग का जीएसटी नोटिस जारी करने के साथ ही उस पर 1.41 करोड़ रुपये का ब्याज और 14 लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। आईडीबीआई बैंक ने कहा है कि वह इस मामले में अपील करने के साथ-साथ उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करेगी।

सुप्रीम कोर्ट की अब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन पर सख्ती, नोटिस जारी

पतंजलि पर सवाल उठा रहे थे पर अब आप क्या कर रहे ?

नई दिल्ली। कुछ समय पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि, बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ सख्त रवैया अपनाया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर उन्हें सार्वजनिक तौर पर माफी मांगनी पड़ी थी। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में नजारा बदला दिखा। पतंजलि की ओर से दाखिल एक अवमानना याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) पर भी सवाल उठाए। अदालत ने इस मामले में आईएमए अध्यक्ष को नोटिस जारी कर 13 मई तक जवाब मांगा है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अमानुल्लाह की बेंच ने कहा कि आप पतंजलि पर भ्रामक विज्ञापन के लिए सवाल उठा रहे रहे थे, उनकी दवाओं को हटाने की मांग कर रहे थे, लेकिन आप क्या कर रहे हैं?

सुप्रीम कोर्ट की ओर से पतंजलि पर सख्ती के बाद समूह ने अखबारों में विज्ञापन देकर सार्वजनिक तौर पर माफी मांगी थी। हालांकि इसके बावजूद आईएमए के अध्यक्ष डॉ. आरवी अशोकन अपने एक बयान के कारण विवादों में घिर गए। दरअसल, उन्होंने अदालत में मामले की सुनवाई के दौरान एलोपैथी डॉक्टर्स पर की गई टिप्पणी का जिक्र करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच पर ही सवाल उठा दिया था। अब इस मामले में पतंजलि ने आईएमए के खिलाफ अवमानना याचिका दाखिल की है। इसी याचिका की सुनवाई के दौरान मंगलवार को सर्वोच्च न्यायालय ने आईएमए के रवैये पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को याचिका की सुनवाई करते हुए भ्रामक विज्ञापनों पर भी सख्त टिप्पणी की। अदालत ने कहा कि किसी भी उपभोक्ता उत्पाद का प्रचार करते समय मशहूर और लोकप्रिय हस्तियों (सेलिब्रिटीज) को जिम्मेदारीपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि विज्ञापन जारी करने की अनुमति देने से पहले केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के तहत विज्ञापनदाताओं से एक सेल्फ डेक्लेरेशन ली जानी चाहिए।1994 के कानून का नियम 7 एक विज्ञापन संहिता है जो यह सुनिश्चित करता है कि दिखाए जाने वाले विज्ञापन को देश के कानूनों के अनुरूप तैयार किए गए हों।

आईएमए के वकील ने ये जवाब दिया?

आईएमए की ओर से अदालत में पेश वकील ने बचाव करते हुए कहा कि आइएमए अध्यक्ष का मकसद अदालत के बारे में गलत टिप्पणी करना नहीं था। इस पर बेंच ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह कोई मामूली बात नहीं है। आइएमए अध्यक्ष ने मीडिया में सार्वजनिक तौर पर ऐसे मामले पर बात की जिसकी अदालत में सुनवाई चल रही है। अदालत ने कहा कि आईएमए की ओर से पेश अधिवक्ता का जवाब संतोषप्रद नहीं है। बेंच ने आईएमए अध्यक्ष के बारे में बोलते हुए कहा, ह्लयह देखिए कि क्या उन्होंने अपना ही नुकसान कर लिया। देखते हैं, हो सकता है हम आपको एक मौका दें।ह्व जस्टिस कोहली ने कहा, ह्लएक बात हम साफ कर दें कि अदालत यह उम्मीद नहीं करती कि कोई पीठ पीछे कुछ भी बोले। अदालत को भी आलोचना का सामना करना पड़ा है, हम उसके लिए तैयार हैं, लेकिन...।ह्व इस पर आईएमए की ओर से पेश वकील पीएस पटवालिया ने बेंच से आईएमए अध्यक्ष की ओर से माफी मांगते हुए अगली सुनवाई का मौका देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आईएमए अध्यक्ष को यह समझ आ गया है कि उन्हें अपनी जुबान बंद रखनी चाहिए थी।

प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने का भी निर्देश

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों को भ्रामक विज्ञापनों और केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) द्वारा उनके (विज्ञापनदाताओं) खिलाफ की गई या प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने का भी निर्देश दिया। पीठ ने कहा, ह्यमशहूर हस्तियों, प्रभावशाली, लोकप्रिय लोगों का उत्पादों के विज्ञापन में बड़ा योगदान होता है, ऐसे में यह जरूरी है कि वे किसी उत्पाद का प्रचार करते समय जिम्मेदारी के साथ काम करें। शीर्ष अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड की ओर से दिए गए भ्रामक विज्ञापनों से संबंधित एक मामले की सुनवाई करते हुए ये बातें कही। अदालत इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 2022 में दायर एक याचिका पर सुनवाई कर रही है, जिसमें पतंजलि और योग गुरु रामदेव द्वारा कोविड टीकाकरण अभियान और चिकित्सा की आधुनिक प्रणालियों को बदनाम करने का आरोप लगाया गया है। पीठ पतंजलि उत्पादों के बारे में भ्रामक विज्ञापनों की आलोचना करती रही है और अब इन्हें विभिन्न इंटरनेट चैनलों पर उपलब्ध कराने पर रोक लगा दी गई है।

खेल

ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली भारत की पुरुष और महिला रिले टीम के सदस्यों का शानदार रहा सफर

देश के आठ धावकों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर ओलंपिक में बनाई जगह

नई दिल्ली। देश के चार पुरुष और चार महिला समेत आठ धावकों ने बहामास के नासाउ में विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी-अपनी क्वालिफाइंग हीट (शुरूआती दौर की रेस) में दूसरे स्थान पर रहते हुए ओलंपिक में जगह बनाई।

एशियाई खेल 2014 और 2018 में व्यक्तिगत 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले में कई पदक जीतने वाली 33 वर्षीय पूवम्मा देश की सबसे सम्मानित एथलीटों में से एक हैं जिन्होंने 2013 एशियाई चैंपियनशिप में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण और 400 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता था। कर्नाटक में जन्मी इस खिलाड़ी ने 2018 एशियाई खेलों में महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले में भी स्वर्ण पदक जीता। इसी तरह रूपल चौधरी ने कोलंबिया में 2022 में विश्व अंडर 20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दो पदक-महिलाओं की चार 400 मीटर रिले में रजत और व्यक्तिगत 400 मीटर में कांस्य जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बनकर इतिहास रचा।

पिता के सपनों को पूरा करने के लिए खेलों को चुना

हैदराबाद की रहने वाली ज्योतिका दांडी श्री ने अपने पिता के सपनों को पूरा करने के लिए खेलों को चुना क्योंकि वे चाहते थे कि उनकी बेटी ओलंपिक में भाग ले। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी इसके काफी करीब है, हालांकि रिले टीम का अंतिम चयन भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के हाथों में है। वह पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर टीम का हिस्सा थीं।

शुभा ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते

शुभा वेंकटेशन तमिलनाडु के त्रिची की 24 वर्षीय शुभा एक निर्माण श्रमिक और एक गृहिणी की बेटी है। उन्होंने पुलिस विभाग में काम करने वाले अपने नाना के जोर देने पर खेलों को चुना। शुरू में चेन्नई के तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण (एसडीएटी) केंद्र में प्रशिक्षण लेने वाली शुभा ने राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीते। वह 2018 एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली महिलाओं की चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का भी हिस्सा थी।

देश के शीर्ष धावक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं मोहम्मद अनस

मोहम्मद अनस 400 मीटर में देश के शीर्ष धावक और राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक हैं। पहले से ही दो बार के ओलंपियन अनस ने एशियाई खेलों, एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं और 2016 में वह केएम बीनू और मिल्खा सिंह के बाद ओलंपिक में 400 मीटर (व्यक्तिगत स्पर्धा) में भाग लेने वाले भारत के केवल तीसरे धावक बने। वह तोक्यो ओलंपिक में भारत की पुरुषों की चार गुणा 400 मीटर और मिश्रित चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थे। केरल के पलक्कड़ में जन्मे मोहम्मद अजमल वारियाथोडी अपने राज्य के कई युवाओं की तरह ही एक फुटबॉल खिलाड़ी थे। जब तक उनके कोच ने ट्रैक स्पधाओं में हिस्सा लेने की सिफारिश नहीं की तब तक उन्होंने अंडर-19 राज्य स्तरीय फुटबॉल टूनार्मेंट में भाग लिया। वह पहले 100 मीटर के धावक थे और फिर 400 मीटर में प्रतिस्पर्धा करने लगे। इसी तरह केरल में जन्मे लेकिन नई दिल्ली में पले-बढ़े अमोज जैकब 2017 एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाली चार गुणा 400 मीटर रिले टीम का हिस्सा थे जबकि इसी स्पधाओं में हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता।

आरोकिया राजीव के खून में दौड़ता है एथलेटिक्स

तमिलनाडु में तिरुचिरापल्ली के पास एक गांव के रहने वाले आरोकिया के खून में एथलेटिक्स दौड़ता है क्योंकि उनके पिता वाई सौंदरराजन राज्य स्तर के धावक और लंबी कूद के खिलाड़ी रहे। आरोकिया के पिता सौंदरराजन एक बस ड्राइवर थे जबकि उनकी मां दिहाड़ी मजदूर थीं।

तीन दिन पहले लूटपाट में घायल हुआ था एक साथी खिलाड़ी

मलेशियाई फुटबॉलर पर जानलेवा हमला, तेजाब फेंका

क्वालालंपुर। मलेशिया के एक फुटबॉलर पर जानलेवा हमला कर दिया गया। फैसल हलीम नाम के इस फुटबॉलर पर एक शॉपिंग मॉल में तेजाब फेंका गया, जिससे वह झुलस गया। सेलांगोर राज्य के खेल अधिकारी नजवान हलीमी ने बताया कि मलेशिया की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी फैसल पर कुआलालंपुर के बाहर पेटलिंग जाया जिले में हमला किया गया। इससे फैसल घायल हो गए। उनकी गर्दन, कंधे, हाथ और सीने पर जख्म के निशान हैं। 26 साल के फैसल सेलांगोर फुटबॉल क्लब में विंगर हैं।

नजवान ने कहा, ह्यमैं इस हिंसा की कड़ी निंदा करता हूं और पुलिस से अपराधी को जल्द से जल्द पकड़ने का आग्रह करता हूं।ह्व सेलांगोर पुलिस प्रमुख हुसैन उमर खान के मुताबिक, इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि, उसने अब तक इसके पीछे के मकसद का खुलासा नहीं किया है। ऑनलाइन वायरल हुई एक तस्वीर में फैसल को एक बेंच पर बैठे दिखाई दिए और उनके शरीर पर जलने के निशान हैं।

तीन दिन पहले साथी खिलाड़ी हमले में हुआ था घायल

इस हमले से तीन दिन पहले एक अन्य राष्ट्रीय खिलाड़ी अख्यार राशिद पूर्वी राज्य तेरेंगानु में अपने घर के बाहर लूटपाट में घायल हो गए थे। स्थानीय मीडिया के अनुसार दो अज्ञात संदिग्धों ने 25 वर्षीय अख्यार पर लोहे की रॉड से वार किया और उनके सिर और पैर में चोटें आईं थीं, जिससे उन्हें टांके लगाने पड़े थे। स्थानीय पुलिस प्रमुख अजली नूर ने कहा कि संदिग्ध अख्यार के पैसे लेने के बाद भाग गए थे।

मलेशिया फुटबाल संघ के अध्यक्ष का बयानः मलेशिया फुटबाल संघ के अध्यक्ष हमीदीन मोहम्मद अमीन ने कहा कि वह राष्ट्रीय टीम के दो खिलाड़ियों पर दोनों हमलों से निराश और दुखी हैं।

दिग्गज फुटबॉलर माराडोना को 1986 विश्व कप में मिली गोल्डन बॉल ट्रॉफी की होगी नीलामी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर रहे दिवंगत डिएगो माराडोना को 1986 विश्वकप में सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए मिली गोल्डन बॉल ट्रॉफी को नीलामी में शामिल किया गया है। अगुट्रेस नीलामी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह नीलामी अगले महीने फ्रांस में होगी। यह नीलामी के लिए जाने वाली पहली गोल्डन बॉल है और अभी कीमत की पुष्टि नहीं की गई है। हालांकि उम्मीद की जा रही है कि 6 जून को नीलामी के दौरान इसकी कीमत लाखों में होगी। माराडोना का देहांत 2020 में 25 नवंबर को हुआ था।

चौथे चरण के मतदान को एक और झटका

इधर मतदान, उधर सैकड़ों परिवार व्यस्त रहेंगे हाजियों की विदाई में

भोपाल। मतदाताओं की अरुचि से कम मतदान की तरफ बढ़े हुए हालात में मप्र से एक और झटका लगने वाला है। ऐन मतदान के समय प्रदेश से रवाना होने वाली हज फ्लाइट सैंकड़ों परिवार को मतदान से दूर रखने वाली है। प्रदेश के हाजियों की यह फ्लाइट इंदौर से 12 मई को रवाना होगी। जबकि इसके अगले दिन यानी 13 मई को चौथे चरण के चुनाव में इंदौर और उज्जैन संभाग की 8 सीटों पर मतदान होना है। प्रदेश के चौथे और अंतिम चरण के चुनाव में इंदौर, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, देवास, धार, खरगोन और खंडवा लोकसभा सीटों पर मतदान होना है।

सेंट्रल हज कमेटी ने प्रदेश के हाजियों का शेड्यूल जारी किया है। इसके मुतबिक 12 मई को इंदौर से इकलौती फ्लाइट रवाना होगी। करीब 158 हाजियों को इस सफर की शुरूआत के लिए 48 घंटे पहले सफर बाजार स्थित अस्थाई हज हाउस पर हाजिरी देना होगी। जरूरी तैयारियों और ट्रेनिंग आदि के चलते यह व्यवस्था तय है। हज सफर इस्लामी नजरिए से बहुत मुकद्दस और महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके चलते हजियों को रुखसत देने के लिए परिवार के अलावा रिश्तेदार और दोस्त और मिलने जुलने वाले लोग भी पहुंचते हैं। इंदौर हज हाउस पर ब्यवस्थाओ को अंजाम देने के लिए भी बड़ी संख्या में लोग सक्रिय रहते हैं। गोरतलब है कि इंदौर से जाने वाली फ्लाइट में इंदौर के अलावा देवास, उज्जैन, रतलाम, मंदसौर, झाबुआ, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, धार के हाजी शामिल रहेंगे।

भोपाल से जाएंगी 2 फ्लाइट

प्रदेश के अधिकांश हाजियों ने अपना इंबोर्केशन पॉइंट मुंबई चुना है। मुंबई और प्रदेश से फ्लाइट लेने पर होने वाले खर्च में बड़े अंतर की वजह से यह हालात बने हैं। इसके बावजूद भोपाल और आसपास से जाने वाले हाजियों ने भोपाल इंबोर्केशन पॉइंट चुना है। इन करीब 350 हाजियों के लिए भोपाल एयरपोर्ट से 2 फ्लाइट जाएंगी। यह फ्लाइट 21 और 22 मई को भोपाल से रवाना होंगी। जिनमें भोपाल के अलावा विदिशा, रायसेन, सागर, जबलपुर, ग्वालियर, नर्मदापुरम, रीवा, सतना आदि जिलों के हाजी शामिल होंगे।

जहां पीएम ने किया प्रचार, वहां 68 प्रतिशत तक पहुंचा अधिकतम मतदान

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरे चरण की चार लोकसभा सीटों में प्रचार किया।

इनमें सर्वाधिक 72.65 प्रतिशत मतदान बैतूल लोकसभा सीट में हुआ। वह जिन विधानसभा सीटों में गए, अधिकतम मतदान 68 प्रतिशत तक पहुंचा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खिलचीपुर (राजगढ़ लोकसभा सीट) और अशोकनगर (गुना लोकसभा सीट) में प्रचार किया।

दोनों जगह मतदान प्रतिशत क्रमशः 75.39 और 71.95 रहा। विधानसभा की बात करें तो खिलचीपुर में 76.77 और अशोक नगर में 73.86 प्रतिशत निर्वाचकों ने मताधिकार का उपयोग

किया। कांग्रेस के स्टार प्रचारक राहुल गांधी ने भिंड में सभा की थी, जहां तीसरे चरण में सबसे कम 54.87 प्रतिशत मतदान रहा। मुरैना में पहले प्रधानमंत्री और बाद में प्रियंका गांधी वाड्रा की सभा हुई जहां 58.22 प्रतिशत ने मतदान किया। दरअसल, प्रदेश में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की छह सीटों पर वर्ष 2019 की तुलना में इन सीटों पर हुए औसत मतदान से 7.48 प्रतिशत और दूसरे चरण में 9.03 प्रतिशत की गिरावट आई थी।

19 मई को पहले चरण के चुनाव संपन्न होने के बाद से ही प्रदेश में हुई सभाओं में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने लोगों से अधिक से अधिक मतदान की अपील की। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को लक्ष्य दिया गया।

निर्वाचन आयोग ने चलें बूथ की ओर अभियान चलाया

कांग्रेस से राहुल गांधी, प्रियंका और प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने भी मतदाताओं से अपील की और कार्यकर्ताओं को लगाया। निर्वाचन आयोग ने चलें बूथ की ओर अभियान चलाया। इसका परिणाम यह रहा कि तीसरे चरण में पहले दो चरणों की तरह गिरावट नहीं आई। मतदान प्रतिशत 2019 के औसत 66.63 प्रतिशत से लगभग 0.58 प्रतिशत ही कम रहा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सिंरोज (सागर लोकसभा सीट) में प्रचार किया था। सागर लोकसभा सीट में 65.19 और सिंरोज विधानसभा सीट में 70.07 प्रतिशत मतदान रहा। 2019 के लोकसभा चुनाव में सागर में 65.51 और सिंरोज में 68.72 प्रतिशत निर्वाचकों ने मत दिया।

भोपाल के गौतम नगर में हुआ हादसा, नौ दुकानें हुई खाक

मकान में भीषण आग, दो लड़कियों को रेस्क्यू कर बचाया

भोपाल। राजधानी भोपाल के गौतम नगर में बुधवार सुबह लगभग 4 बजे एक मकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मकान में नीचे बनी दुकानों के साथ पूरे मकान को आग ने चपेट में ले लिया। मकान के ऊपरी फ्लोर पर एक परिवार के 5 लोग फंस गए। परिवार के 3 लोग किसी प्रकार बाहर आ गए, लेकिन दो लड़कियां मकान में ही फंस गईं। फायर बिग्रेड की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद दोनों लड़कियों का रेस्क्यू किया। दमकल कर्मियों ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

गौतम नगर के जिस मकान में आग लगी, उसमें नीचे दुकानें थीं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। दुकानों के शटर तोड़कर फायर बिग्रेड कर्मियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। जानकारी के अनुसार आग की वजह शॉर्ट सर्किट है। नीचे दुकानें होने की वजह से आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। यहां किराने के साथ ही कपड़े की दुकान पूरी तरह से जलकर खाक हो गई। सारा समान भी जल गया। नगर निगम की 6 दमकलों ने 3 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

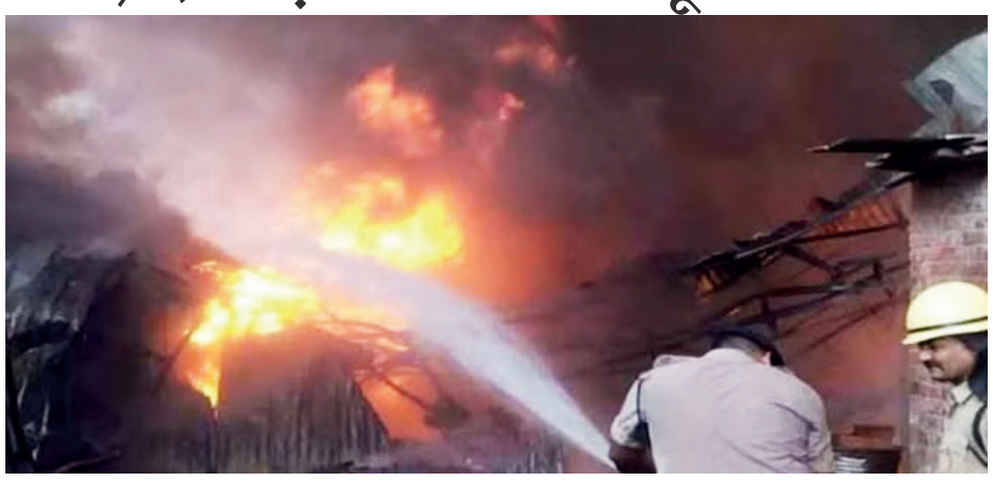

कपड़े और जनरल स्टोर के समान के कारण तेज हुई आग

मौके पर रेस्क्यू करने पहुंचे फायर फाइटर शाहनवाज के अनुसार मकान के नीचे बनी दुकानों के कपड़े और जनरल स्टोर्स के सामान होने की वजह से आग भीषण हो गई थी। दुकानों में शटर लगी हुई थी और अंदर से आग की लपटें तेजी से बाहर निकल रही थीं, इसलिए शटर को तोड़ना पड़ी। इसके बाद आग पर काबू पाया गया। साढ़े 3 घंटे में आग पूरी तरह से काबू में आ सकी। निगमकर्मी फहीम खान, नवाब खां, फारूख खान, नितिन बघेल, मोहम्मद अकील समेत टीम ने आग पर काबू पाया। आग बुझाने में फतेहगढ़, गोविंदपुरा और माता मंदिर की 6 दमकलें लगीं।

मऊगंज क्षेत्र का मामला : शिकायत के बाद तत्काल हुई कार्रवाई, बोरिंग मशीन भी जब्त

प्रतिबंध के बाद भी बोरिंग करने पर मशीन संचालक व जमीन मालिक पर एफआईआर

भोपाल। भीषण गर्मी के चलते विंध्य क्षेत्र में वाटर लेवल काफी नीचे चला गया है, जिस वजह से क्षेत्र में पानी की काफी कमी देखी जा रही है। पानी की कमी देखते हुए रीवा, सीधी और मऊगंज कलेक्टर ने बोरिंग पर रोक लगाया है। इसके बाद भी बोरिंग करने पर मशीन मालिक और किसान पर एफआईआर दर्ज की गई है।

मऊगंज कलेक्टर अजय श्रीवास्तव द्वारा जिले में नलकूप खनन पर प्रतिबंध के बावजूद बोरिंग करना मशीन संचालक और खनन कराने वाले भूमि स्वामी पर एफआईआर दर्ज की गई है। मिली शिकायत के आधार पर कलेक्टर मऊगंज के निर्देश पर तहसीलदार नईगढ़ी दीपक तिवारी सहयोगी राजस्व अमले के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध उत्खनन में लगी बोरिंग मशीन को जब्त करते हुए पुलिस के हवाले कर दिया। मंगलवार सात मई की दोपहर बाद कलेक्टर मऊगंज को फोन पर सूचना दी गई कि जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले पहरखा गांव में प्रतिबंध के बाद भी बोरिंग की जा रही है। इस पर तत्काल कार्रवाई की गई। राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की संयुक्त टीम मौके पर पहुंच कर बोरिंग मशीन को जब्त कर लिया। वहीं, बोरिंग मशीन को पुलिस थाना नईगढ़ी में सुरक्षा की दृष्टि से खड़ा कराया गया है। खेत में बोर करने के मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही खेत में बोर करने वाली दो बोरिंग मशीनों को वाहन सहित जब्त कर लिया है। मशीन की कीमत करीब सवा करोड़ रुपये आंकी गई है।

नौकरी लगवाने का झांसा देकर ठगी करने वाला एक साल से फरार आरोपी गिरफ्तार

भोपाल। राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच ने नौकरी लगवाने का झांसा देकर बेरोजगारों के साथ ठगी करने वाले एक साल से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में आरोपी के 2 बेटों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। तीनों मिलकर बेरोजगारों को नौकरी दिलवाने का झांसा देकर ठगी करने का गिरोह चला रहे थे।

क्राइम ब्रांच के मुताबिक इस मामले की शिकायत बिजली नगर कालोनी गोविंदपुरा निवासी गनपत सिंह (30) ने की थी। गनपत ने पुलिस को बताया कि शासकीय नौकरी लगवाने का झांसा देकर प्रमोद मिश्रा, प्रकाश मिश्रा और उनके पिता अरुण मिश्रा ने 30 लाख रुपये लिए थे। नौकरी नहीं लगने पर जब उन्होंने रुपए वापस मांगे तो इन लोगों ने दिसंबर 2022 में एक चैक दिया था। गनपत ने जब इस चैक को बैंक में लगाया तो वह बाउंस हो गया। इस शिकायत के आधार पर क्राइम ब्रांच ने तीनों के खिलाफ धोखाधड़ी की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी प्रकाश मिश्रा और उसके भाई प्रमोद मिश्रा को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि पिता अरुण मिश्रा फरार चल रहा है।

उसकी गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। आरोपी भोपाल से फरार होने के बाद रीवा चला गया था। पुलिस टीम जब रीवा पहुंची तो वह छत्तीसगढ़ भाग निकला।

टाईल्स ही टाईल्स
सबसे सस्ता...सबसे अच्छा
2x2 वीट्रीफाईड, डीजिटल, 3D
क्वालिटी की टाईल्स मात्र 270/- BOX
वह भी 1st ग्रेड की 16 फीट प्रति BOX
(25 BOX तक के स्टोक में उपलब्ध)
इन्दौर में 8 किमी तक भाड़ा फ्री रहेगा
10000/- की माल खरीदी के समय पेपर की कटिंग दिखाने पर 1000/- मूल्य का
गिफ्ट...एकदम फ्री पाएं..
उक्त स्कीम 10 मई से 30 मई तक ही मान्य रहेगी
मिक्स टाईल्स काफी कम रेट में उपलब्ध है
12x18 6 रु. फीट | 16x16 9 रु. फीट | 2x2 10 रु.फीट | 2x4 12 रु.फीट
कमलेश कुमार शाह टाइल्स
24/1 एवं 24/2 स्नेहलतागंज पत्थर गोदाम, इन्दौर
मो.98264-62970
13 मई को मतदान अवश्य करें

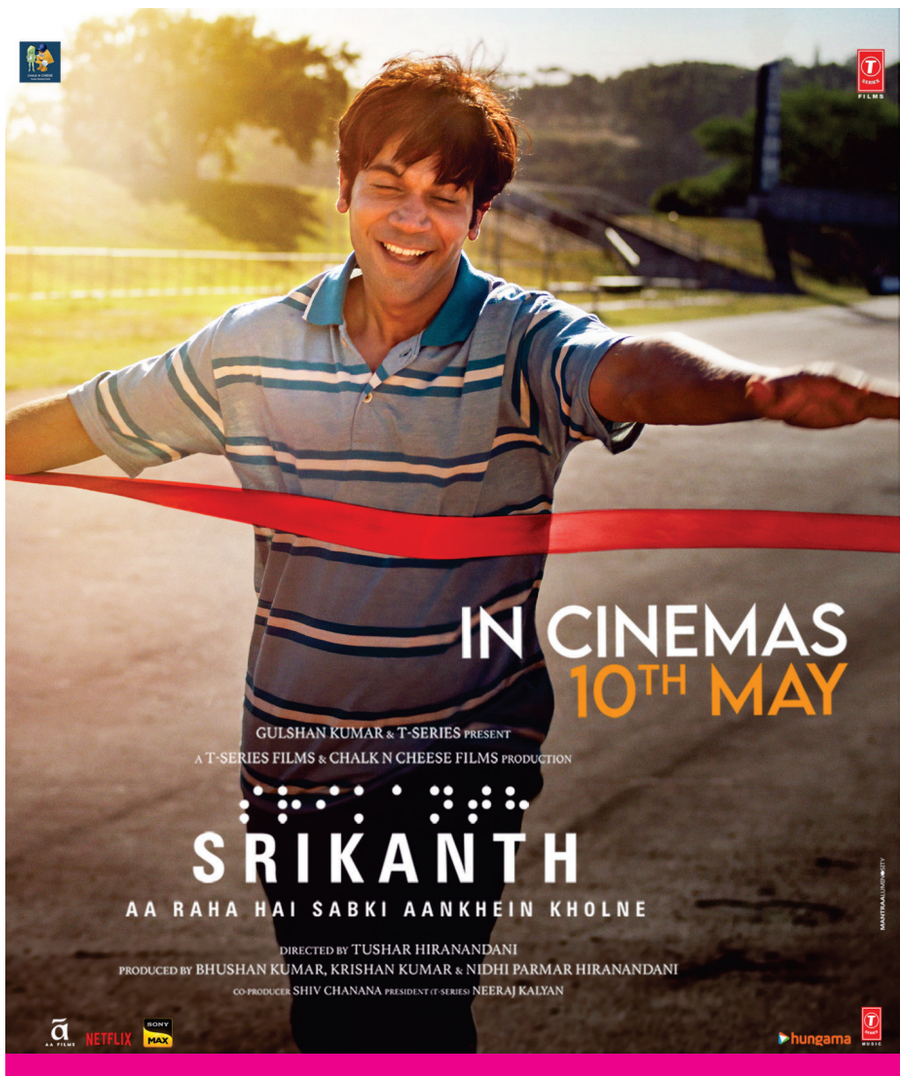

आप के घर का हीरो है मोयरा सरिया,
जो रखे आप के घर को भूकंप एवं जंग
जैसे विलन से सुरक्षित।
मोयरा® सरिया
CRS - Fe 550

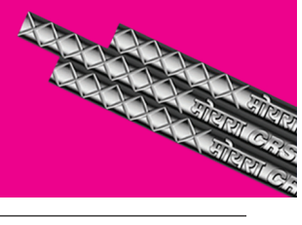

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.ली. राऊखेड़ी, देवास रोड, इंदौर (म.प्र.) 453771 से मुद्रित एवं 107, प्रथम माला, स्वदेश भवन, ए.बी. रोड़, इंदौर (मध्य प्रदेश)पिन- 452011 से प्रकाशित। संपादक - मिलिंद बायवार*। आरएनआई नं. एमपीबीआईएल/2020/80117 मो. 07313144237, 83570-89000, Email: mradubhashi.news@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)